www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
29 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 116 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

बांके बिहारी के लिए आईं 30 हजार चिट्ठियां और राखियां

● लिखा-कान्हा,बेटे के लिए अच्छी लड़की दिलवाना,जो आपको मानती हो

मथुरा (एजेंसी)। बिहारी जी, मुझे सुहागिन ही अपने चरणों में बुलाना। जब भी मैं यह दुनिया छोड़कर आपके पास आऊं, सुहागिन आऊं। मेरे बच्चों की शादी और उनके बच्चों का मुंह देखकर ही अपने चरणों में बुलाना। प्रभु, उत्तम नगर में जो जगह ली थी, उसे बिकवा दो। बहुत परेशानी हो रही। हौज खास में बढ़िया-सा घर दिलवा देना। अब मानव की शादी का समय है। उसके लिए ऐसी लड़की दिलवाना, जो आपको मानने वाली, परिवार से प्यार करने वाली और हंसमुख हो। मथुरा में कान्हा के लिए ऐसी भावुक चिट्ठी देश भर से भेजी गई हैं। रक्षाबंधन से पहले बांके बिहारी के नाम आई यह चिट्ठी सिर्फ एक बानगी है। मंदिर में

अब तक 30 हजार से ज्यादा चिट्ठियां और राखियां पहुंच चुकी हैं। बहनों ने राखी के साथ चिट्ठी, अक्षत-कुमकुम, चॉकलेट और दक्षिणा भी भेजी है। इन राखियों को मंदिर के सेवायत भगवान बांके बिहारी की कलाई पर बांधते हैं। साथ आए पत्रों को पढ़कर सुनाते भी हैं। बांके बिहारी को भेजी चिट्ठियों में बहनों ने मन की बातें लिखी हैं।

'बिहारी जी से है हमारा हर रिश्ता'

रेलिंग पर राखी बांध रही श्याम पिया दासी ने बताया- हमारा हर रिश्ता बिहारी जी से है। सभी रिश्ते उनसे हैं। सभी उत्सव उनके साथ हैं। सबसे पहले वह हैं, उसके बाद कोई और। नित्य निकुंज में सभी सहचारियां एक-दूसरे को राखी बांधती हैं। प्रिया प्रियतम को भी सहचारियां राखी बांधती हैं। स्वामीजी कहते हैं कि यहां का हर कोई, यहां की सभी वस्तुएं, लता-पताये सभी सहचारियां हैं। उस भाव से सभी राखी बांधते हैं। सेवायत और इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी महाराज ने मंदिर की हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी से पुरानी मांग दोहराई है।

रास्ता दिखाइए; अब उम्र भी निकल रही

आपकी प्यारी बहन, राधे-राधे। बिहारी जी के चरणों में कोटि-कोटि प्रणाम। आशा करती हूं कि आप सकुशल होंगे। आपकी असीम कृपा से हम सब भी सकुशल हैं। आपको और राधारानी को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई। आपके और राधारानी के लिए राखी भेज रही हूं। रक्षाबंधन के दिन अपनी कलाई पर अवश्य बांधिएगा और मुझे वृंदावन अवश्य बुलाइएगा। आपकी कृपा से नौकरी में सब ठीक चल रहा है। एक इच्छा थी कि किसी तरह राज्य प्रशासनिक सेवा में जाने का कोई रास्ता मिल जाता। क्योंकि, अब उम्र भी निकल रही है और पढ़ाई हो नहीं पाती। अब आप ही कोई रास्ता दिखाइए, जो आपको मेरे लिए उचित लगे।

रक्षाबंधन पर मायके आई बहन की बाइक से गिरकर मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रक्षाबंधन के पर्व पर भाइयों को राखी बांधने मायके आई एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई।

बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई महिला ने राजकीय बेस चिकित्सालय में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के किशनपुर निवासी अनामिका (पत्नी अंकुर नैथानी) रक्षाबंधन पर तल्ला मोटाढाक स्थित अपने मायके आई थीं। भाइयों को राखी बांधने के बाद वह अपने भाई की बाइक पर सवार होकर बुआ के घर जाने के लिए निकली थीं। बताया जा रहा है कि बलभद्रपुर क्षेत्र में अचानक वह बाइक से सड़क पर गिर गईं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। परिजन और आसपास के लोग उन्हें उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अनामिका की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी चिकित्सालय पहुंचे और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। रक्षाबंधन के दिन हुई इस दुःखद घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। अनामिका के पिता मनमोहन दुदपुड़ी क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों में शामिल हैं। वह ग्रामसभा तल्ला मोटाढाक के प्रधान भी रह चुके हैं। हादसे की खबर के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी चालीसा का पाठ करने वाला किन्नर कल्याण बोर्ड भंग

● पीएम को राम बताकर आरती की थी,पटना में मोदी के मंदिर की परमीशन मांगी थी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड यानी ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड को भंग कर दिया है। समाज कल्याण विभाग ने शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी की। इसके साथ ही बोर्ड में मनोनीत और सरकारी सदस्यों की सदस्यता/मनोयन भी समाप्त कर दिया गया है। सरकार अब केंद्र के नए कानून में हुए बदलावों के अनुसार बोर्ड का नए सिरे से गठन करेगी। बिहार किन्नर कल्याण बोर्ड कई दिनों से पटना में मोदी का

मंदिर बनाने की मांग कर रहा था। 8 दिन पहले बोर्ड के सदस्यों ने दिल्ली प्रेस क्लब में मोदी चालीसा का पाठ भी किया था। सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि केंद्र सरकार ने 30 मार्च 2026 को 'द ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) अमेंडमेंट एक्ट, 2026' अधिसूचित किया है। इस संशोधन के बाद बदले हुए प्रावधानों और राज्य में रहने वाले ट्रांसजेंडर समुदाय के अलग-अलग वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड का पुनर्गठन जरूरी हो गया है।

एस-400 से डरकर बॉर्डर के पास नहीं आए पाकिस्तानी जेट

● पूर्व वायुसेना अधिकारी का दावा-स्लीपर सेल से डिफेंस सिस्टम की लोकेशन की जासूसी कराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के एस-400 डिफेंस सिस्टम की लोकेशन का पता लगाने के लिए पाकिस्तान ने भारत में छिपे स्लीपर सेल की मदद से जासूसी अभियान चलाया था। पूर्व भारतीय वायुसेना अधिकारी एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ने बताया

कि पाकिस्तान ने इसके लिए भारत में सक्रिय स्लीपर सेल और जासूसी नेटवर्क समेत हर संभव तरीका इस्तेमाल किया। एक चैनल को दिए इंटरव्यू में मिश्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 ने पाकिस्तानी मिसाइलों और हवाई खतरों को हवा में ही नष्ट कर दिया। 2025 में 6-7 मई की रात हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादी संगठन जैश के इस ठिकाने को काफी नुकसान पहुंच था।

पीएम मोदी को बच्चियों ने रक्षा बंधन पर बांधी राखी

● एक बच्ची ने पूछा-आपके बचपन का सपना क्या था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षाबंधन का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया। रक्षा बंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और एक-दूसरे की रक्षा करने के संकल्प का त्योहार है। हर साल की तरह इस साल भी पीएम मोदी ने स्कूल में पढ़ने वाली छोटी बच्चियों से राखी बंधवाई। पीएम मोदी ने इसकी फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की। पीएम मोदी ने एक्स पर फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि 7, लोक कल्याण मार्ग पर रक्षा बंधन के जश्न की कुछ यादगार झलकियां। पीएम मोदी ने पीएम आवास पर रक्षा बंधन के मौके पर बच्चों से मुलाकात की और छोटी-छोटी बच्चियों ने पीएम मोदी की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनका आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ खूब हंसी-मजाक किया, उनसे हाथ मिलाया और मुस्कुराते हुए हाई-फाइव भी किया।

पीएम मोदी और बच्चों के बीच हुआ संवाद

बच्चों के चेहरों की चमक और पीएम मोदी का स्नेह इस पल को बेहद यादगार बना रहा था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और प्रधानमंत्री के बीच एक बेहद दिलचस्प और प्यारा संवाद भी हुआ। बातचीत करते हुए एक बच्ची ने मासूमियत से पूछा कि उनके बचपन का सपना क्या था। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया-आप लोगों से मिलने का। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अलग-अलग स्कूलों और संगठनों के बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं बढ़कर है। राष्ट्रपति ने बच्चों के साथ विशेष रक्षाबंधन समारोह की झलकियां शेयर कीं।

तिब्बत में फटी झील, नेपाल में 'हाहाकार'

● नेपाली सेना ने खाली कराए आसपास के कई गांव ● लोगों से की अपील,सुरक्षित जगह पर जाने को कहा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बनी एक और झील फट गई है। यह झील चोचेन नदी और पुरेपु सांगपो नदी के संगम के पास बनी थी। चीन ने इसके फटने की आशंका एक दिन पहले ही जताई थी। झील फटने के बाद पानी का स्तर बढ़ने लगा है। खतरे की वजह से के रसुवा जिले में रेस्क्यू ऑपरेशन 90 मिनट के लिए रोक दिया गया है। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के पास के कई गांव खाली कराए जा रहे हैं। लोगों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है। इस बीच चीन ने भी तिब्बत में राहत और बचाव अभियान रोक दिया है और लेवल-4 अलर्ट जारी किया है। दोबारा बाढ़ आने के खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। बाढ़ और भूस्खलन से दोनों देशों में अब तक 478 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,500 से ज्यादा लोग लापता हैं। इनमें करीब 290 भारतीय भी शामिल हैं।

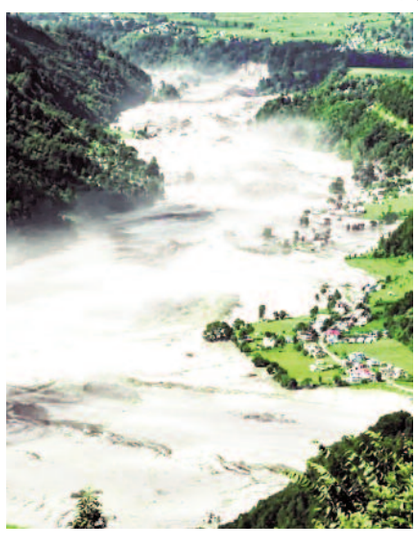

नेपाल में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से आई बाढ़

चीन ने शुक्रवार को कहा कि नेपाल में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से बुधवार को भोटेकोशी नदी में अचानक बाढ़ आई हो सकती है। इस बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा के बड़े इलाके में तबाही मचाई। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन और नेपाल के विशेषज्ञों और सरकारी संस्थानों ने शुरुआती जांच की है। उनके मुताबिक, ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटना इस आपदा की संभावित वजह हो सकती है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक कर तिब्बत-नेपाल सीमा पर आई भीषण बाढ़ से बने हालात की समीक्षा की।

बच्चियों ने योगी को राखी बांधी, ऑटोग्राफ भी लिया

● जेल में बहनों की लंबी लाइन,बसों में इतनी भीड़ कि खिड़की से एंट्री

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में रक्षाबंधन पर बच्चियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ को राखी बांधी। उनका ऑटोग्राफ लिया। राखी बंधवाने के बाद योगी ने सभी बच्चियों को चॉकलेट, शगुन के लिफाफे और तोहफे में एक-एक बैग दिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत भी की। सीएम आवास आई संस्कृति स्कूल की छात्रा श्रेयसी सिंह ने पूछा कि सोशल मीडिया के इस दौर में खुद को फोकस्ड कैसे रखें। इस पर योगी ने जवाब दिया-मेरे जैसा

व्यक्ति मोबाइल का इस्तेमाल कम से कम करता है। बहुत जरूरी हुआ तो बमुश्किल आधा घंटा ही मोबाइल देखता हूं। मैं प्रदेश के सभी बच्चों से कहूंगा कि मोबाइल फोन पर अनावश्यक समय बर्बाद करने के बजाय किताबें पढ़ना शुरू करें।

● एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम 'जैवलिन' का सौदा पक्का!

भारत खरीदेगा दुनिया का सबसे 'खतरनाक' हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने युद्ध के मैदान में परखे जा चुके अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम को खरीदने की योजना बनाई है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कदम दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों का सामना करने की भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता को और मजबूत कर सकता है। यह प्रस्तावित खरीद भारत के शस्त्रागार में एक अत्यधिक मोबाइल और सटीक मारक क्षमता वाले एंटी-आर्मर हथियार को जोड़ेगी। भारत सरकार यह कदम ऐसे समय में उठा रहा है जब वह वाशिंगटन के साथ अपने रक्षा सहयोग का लगातार विस्तार कर रहा है और अपनी सैन्य क्षमताओं में विविधता ला रहा है। जैवलिन एक मैन-पोर्टेबल और कंधे से दागी जाने वाली एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है, जिसे अमेरिकी रक्षा कंपनियों लॉकहीड मार्टिन

और आरटीएक्स ने विकसित किया है। इसे इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि इन्फैंट्री की टुकड़ियां किसी बड़े एंटी-टैंक प्लेटफॉर्म पर निर्भर हुए बिना ही दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों पर हमला कर सकें। इसकी सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक इसकी दागो और भूल जाओ क्षमता है। एक बार मिसाइल लॉन्च होने और लक्ष्य के लॉक हो जाने के बाद, ऑपरेटर को इसे लगातार गाइड करने की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे सैनिकों को मिसाइल दागने के तुरंत बाद अपनी जगह से सुरक्षित हटने का मौका मिल जाता है।

पंजाब में पाक की जासूसी करता दुकानदार गिरफ्तार

आईएसआई को सैन्य-संवेदनशील क्षेत्रों भेजी जानकारी

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना में पुलिस ने एक बड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। थाना सराभा नगर की पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करने

● किराए की दुकान पर लगाए कैमरे, नेटवर्क का पर्दाफाश

वाले एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी लुधियाना में बैठकर शहर की गतिविधियों, खासकर सैन्य और संवेदनशील इलाकों की लाइव फीड सीधे पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस को आशंका है कि इस जासूसी के पीछे पाकिस्तानी एजेंसियों की लुधियाना में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की खौफनाक साजिश थी।

पुलिस की शुरुआती जानकारी से सामने आए मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रछपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में जानकारी देने से कतरा रही है। आरोपी मूल रूप से जिला गुरदासपुर के फतेहगढ़ चूड़ियां स्थित गांव सर्फ कोट का रहने वाला है। आरोपी ने लुधियाना के फिरोजपुर रोड स्थित न्यू सुंदर नगर में (मेडवेज अस्पताल के सामने, प्लॉट नंबर-1) एक दुकान किराए पर ले रखी थी। इसी दुकान को उसने अपना जासूसी का अड्डा बनाया हुआ था। पाकिस्तानी एजेंसियों के पास था कैमरों का पूरा एक्सेस आरोपी रछपाल सिंह ने दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगा रखे थे। इन कैमरों की पूरी लाइव फीड और एक्सेस सीधे तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को दी गई थी।

कैमरों के एक्सेस की जांच में जुटी पुलिस

गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस और खुफिया एजेंसियां मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। अब पुलिस का मुख्य फोकस इस बात का पता लगाना है कि इन कैमरों का एक्सेस पाकिस्तान में किन-किन लोगों को दिया गया था। इसके अलावा आरोपी रछपाल सिंह किन लोगों के संपर्क में था और धमकियां देने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फोनों का इस जासूसी और पाकिस्तान वाले कनेक्शन से क्या सीधा संबंध है।

ऐतिहासिक पाषाण युद्ध के साक्षी बने लाखों श्रद्धालु

मुख्यमंत्री ने देवीधुरा को नगर पंचायत क्षेत्र बनाने की बात कही

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : चम्पावत के विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ वाराही धाम देवीधुरा में शुक्रवार को ऐतिहासिक बग्वाल मेले का भव्य आयोजन हुआ। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आयोजित इस प्रसिद्ध मेले में आस्था, परंपरा, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवीधुरा को नगर पंचायत क्षेत्र बनाने बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि देवीधुरा में 9.80 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी लेवल पार्किंग का निर्माण कार्य शीघ्र कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बग्वाल मेले को 'राजकीय मेला' घोषित कर इसकी गरिमा बढ़ाने के साथ ही व्यवस्थाओं को भी और अधिक सुदृढ़ किया गया है। मेले में प्रतिभाग करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हेलीकॉप्टर से देवीधुरा हेलीपैड पहुंचे। हेलीपैड पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर पारंपरिक लोकनृत्य छोलिया की मनमोहक प्रस्तुति के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ माँ वाराही

देवी की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ वाराही मइया सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवीधुरा की पावन भूमि और विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बग्वाल मेले को उत्तराखंड की अगाध आस्था, समृद्ध लोक-संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विकास को केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित न रखते हुए ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहरों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन का मूल उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है। उन्होंने प्रदेशवासियों और विशेष रूप से युवा पीढ़ी से अपनी समृद्ध लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान करते हुए 'विकास भी और विरासत भी' के संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद अजय टम्टा, अध्यक्ष जिला पंचायत आनंद सिंह अधिकारी, माँ वाराही मंदिर समिति अध्यक्ष हीराबल्लभ जोशी, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविन्द सामन्त, मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, परियोजना निदेशक अजय सिंह, सीएमओ देवेश चौहान, महेन्द्र पाल, दर्जा राज्य मंत्री मुकेश महरना, दर्जा राज्य मंत्री हुकुम सिंह कुँवर, दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पाण्डेय, दर्जा राज्य मंत्री सुभाष बगौली आदि उपस्थित रहे।

चार खाम-सात थोक के बीच खेली गई ऐतिहासिक बग्वाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चार खाम-सात थोक के बीच खेले जाने वाले इस अनोखे प्राचीन पाषाण युद्ध का भी अवलोकन किया। रक्षाबंधन के अवसर पर मेले में बच्चियों एवं महिलाओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। पाटी विकासखंड में स्थित माँ वाराही धाम में प्रधान पुजारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ बग्वाल की शुरुआत हुई। इसके बाद चारों खाम-वालिक (सफेद), चम्याल (गुलाबी), गहड़वाल (भगवा) और लमगड़िया (पीला) के बग्वालियों का प्रवेश हुआ। अलग-अलग रंगों के पारंपरिक वस्त्रों एवं पगड़ियों में सजे बग्वालियों के हाथों में बांस और रिंगाल से निर्मित ढालें थीं। शंखनाद और माँ वाराही के जयकारों के बीच बग्वाल का शुभारंभ हुआ। फलों और फूलों की बरसात के बीच पूरा बग्वाल मैदान मां के जयकारों से गूंज उठा। इस वर्ष बग्वाल दोपहर 1:48 बजे शुरू होकर 1:55 बजे समाप्त हुई। 8 मिनट तक चले इस अनूठे ऐतिहासिक युद्ध में फल और फूलों का प्रयोग कर सदियों पुरानी परंपरा को जीवंत रखा गया। पीठाचार्य पंडित कीर्तिबल्लभ जोशी के अनुसार, फल-फूलों से खेली जाने वाली बग्वाल को अत्यंत शुभ एवं फलदायी माना जाता है। खामों के आगमन एवं बग्वाल के संचालन की जिम्मेदारी पीठाचार्य श्री कीर्तिबल्लभ जोशी ने निभाई।

एक नजर

कैफे में घुसकर भाजपा नेता पर हमला

देहरादून। नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में कैफे में घुसकर भाजपा नेता पर जानलेवा हमला करने और पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि पांच लोगों ने कैफे में घुसकर संचालक के साथ मारपीट की और उसकी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मामले में नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, केदारपुरम, दीप नगर निवासी भाजपा युवा मोर्चा के नेता मयंक असवाल की ओर से तहरीर दी गई है। तहरीर में बताया गया कि 25 अगस्त की रात करीब 11 बजे वह अपने प्रतिष्ठान में मौजूद था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व कैफे में घुस आए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों के पास धारदार हथियार भी थे।

शिक्षकों के अनुरोध के आधार पर तबादले का आदेश

देहरादून,शासन ने शिक्षकों के अनुरोध के आधार पर तबादले का आदेश कर दिया है। शिक्षा सचिव ज्योति यादव ने जारी आदेश में कहा, हाईकोर्ट से तबादलों पर रोक नहीं है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तबादला आदेश सूची जारी करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है। शिक्षा सचिव ने कहा, तबादलों पर हाईकोर्ट की कोई रोक नहीं है। बृहस्पतिवार को इस पर स्थिति स्पष्ट होते ही विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों के तबादलों का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि तबादला एक्ट 2017 की धारा 17(1) (ख) के खंड एक से पांच में वर्णित प्रावधान के अनुसार मिले तबादला आवेदनों पर नियमानुसार तय समय पर कार्यवाही की जाए। निदेशक प्रारंभिक शिक्षा कुंवर सिंह रावत के मुताबिक शासन का आदेश मिलते ही सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को शासन के आदेश से अवगत करा दिया गया है। कुछ जिलों में जिला स्तर से शिक्षकों के तबादले कर दिए गए हैं। शिक्षक विभागीय वेबसाइट पर तबादला आदेश देख सकते हैं।

रक्षाबंधन: धर्म की दीवारों से ऊपर भाई–बहन का रिश्ता

देहरादून। भाई–बहन के रिश्ते की डोर जब दिल से जुड़ती है तो उसके सामने धर्म और मजहब की दीवारें भी छोटी पड़ जाती है। रुड़की में पारुल भाटिया निवासी सिविल लाइंस और भारतनगर निवासी सलमान भाई–बहन की ऐसी ही मिसाल है जो समाज को प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दे रही है। पिछले 12 वर्षों से सोशल वर्कर पारुल भाटिया हर रक्षाबंधन पर अपने भाई सलमान की कलाई पर राखी बांधती आ रही हैं।सिविल लाइन क्षेत्र में सलमान सैलून का संचालन करते हैं, जबकि पारुल भाटिया सामाजिक कार्यों से जुड़ी है। दोनों के बीच वर्षों से भाई–बहन जैसा स्नेह और विश्वास कायम है। रक्षाबंधन के पर्व पर पारुल राखी बांधकर भाई सलमान से रक्षा का वचन लेती है। इस दौरान दोनों परिवार भी इस रिश्ते को पूरे सम्मान और अपनत्व के साथ स्वीकार करते हैं।

छावनी परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का रुड़की तबादला

चकराता। रक्षा मंत्रालय ने विभिन्न छावनी परिषदों में मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के तबादले किए हैं। चकराता छावनी परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिपुदमन सिंह को रुड़की स्थानांतरित किया गया है। रिपुदमन सिंह के स्थान पर अभी तक नया अधिकारी तैनात नहीं किया गया है। चकराता मुख्य कार्यकारी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार क्लेमेनटाउन, देहरादून के मुख्य अधिशासी अधिकारी को सौंपा गया है।

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर दून की रफ्तार थमी

देहरादून। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर गुरुवार शाम अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां जाने वाले लोगों की बढ़ी भीड़ ने देहरादून की यातायात व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ने से जगह–जगह लंबा जाम लग गया। स्थिति यह रही कि कई मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लग गया। सबसे गंभीर स्थिति देहरादून–प्रेमनगर हाईवे पर देखने को मिली, जहां वाहनों की लंबी कतार के चलते करीब 9 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हाईवे पर बड़ी संख्या में वाहन फंसने से यातायात की रफ्तार पूरी तरह प्रभावित रही। जाम के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भी लगा जाम

प्रेमनगर हाईवे के अलावा देहरादून शहर के भीतर भी यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। राजपुर रोड, रायपुर रोड, क्लॉक टावर, प्रिंस चौक से आईएसबीटी तक और हरिद्वार रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। शाम के समय बाजारों और प्रमुख मार्गों पर लोगों की आवाजाही बढ़ने के कारण स्थिति और अधिक विकट हो गई। क्लॉक टावर और प्रिंस चौक क्षेत्र में भी वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया। वहीं आईएसबीटी की ओर जाने वाले मार्ग पर भी जाम का असर दिखाई दिया।

हरिद्वार रोड पर वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात धीमा रहा।

वीडियो में दिखी वाहनों की लंबी कतार

जाम की स्थिति का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सड़क पर वाहनों की लंबी कतार दिखाई दे रही है। वीडियो में दूर तक वाहनों की लाइन नजर आ रही है और यातायात बेहद धीमी गति से चलता दिखाई दे रहा है। रक्षाबंधन के चलते बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के बीच पहुंचने के लिए घरों से निकले थे, जिसके चलते शाम के समय यातायात पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। त्योहारी सीजन में देहरादून की सड़कों पर बढ़ने वाली भीड़ ने एक बार फिर शहर की यातायात व्यवस्था के सामने चुनौती खड़ी कर दी। लोगों को जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने और यात्रा के दौरान अतिरिक्त समय लेकर चलने की जरूरत महसूस हुई।

देहरादून में वाइन शॉप पर ओवररेटिंग के आरोप

देहरादून। शहर में शराब की दुकानों पर ओवररेटिंग को लेकर शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। इसी कड़ी में महेंद्रा शो रूम के सामने स्थित एक वाइन शॉप को लेकर भी निर्धारित कीमत से अधिक रकम वसूलने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

ग्राहकों का आरोप है कि शराब की बोतल खरीदने के दौरान उनसे निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे मांगे जाते हैं। ओवररेटिंग का विरोध करने पर दुकान के कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच कहासुनी होने की स्थिति भी बन जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस तरह की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो संबंधित आबकारी विभाग को मामले का संज्ञान लेकर मौके पर जांच करनी चाहिए। शिकायत सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पाठल से पत्नी का गला काटने वाला पति गिरफ्तार

देहरादून। मोहिनी रोड स्थित सर्वेंट क्वार्टर में मामूली कहासुनी के बाद पति ने अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, रामजी पाल (38) ने अपनी पत्नी सोनू पाल पर धारदार पाठल से कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

वारदात के बाद आरोपी ने हत्या में इस्तेमाल हथियार झाड़ियों में फेंक दिया। सूचना मिलने पर डालनवाला पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी रामजी पाल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर झाड़ियों से हत्या में इस्तेमाल धारदार पाठल भी बरामद कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सूरत सिंह नेगी के समर्थन में कांग्रेस का एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं रायपुर निवासी सूरत सिंह नेगी और उनके परिवार के साथ कथित तौर पर की जा रही पुलिस कार्रवाई एवं उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज एसएसपी कार्यालय, देहरादून का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सूरत सिंह नेगी और उनके परिवार के खिलाफ राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस कार्रवाई की जा रही है। साथ ही प्रदेश में भू–माफियाओं द्वारा आम लोगों को कथित रूप से परेशान किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया। इस दौरान एसएसपी देहरादून श्री प्रमेन्द्र सिंह डोबाल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करने और परिवार

को न्याय दिलाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, एसएसपी देहरादून ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पुलिस की जांच और कार्रवाई का इंतजार करेंगे, लेकिन यदि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय नहीं मिलता है तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि आम लोगों के साथ अन्याय और भू–माफियाओं की कथित मनमानी के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है।

25 लाख की धोखाधड़ी: मगध गैंग की जांच में खुलासा

देहरादून, श्यामपुर पुलिस के हत्थे चढ़े बिहार के मगध साइबर ठगी गैंग के मामले की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। गैंग के शिकार कर्नाटक के एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी ने परेशान होकर कृष्णा में कूदकर जान दे दी थी। उनके साथ 25 लाख से ज्यादा की साइबर धोखाधड़ी हुई थी। इसमें से 10 लाख की रकम हरिद्वार में आरोपियों से बरामद एक बैंक खाते में ट्रांसफर हुई थी। कर्नाटक पुलिस ने भी श्यामपुर पुलिस से संपर्क साधा है। वहां से पुलिस भी जल्द हरिद्वार आ सकती है। दरअसल, श्यामपुर थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने पुलिस टीम के साथ देशभर में साइबर ठगी करने वाले मगध गिरोह से जुड़े बिहार के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से अलग–अलग बैंकों के 35 एटीएम/डेबिट कार्ड, 14 बैंक पासबुक,

17 सिम कार्ड, 18 मोबाइल फोन, दो लैपटॉप और 37,500 रुपये की नकदी बरामद हुई थी। साथ ही आरोपियों द्वारा 2.75 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी किए जाने की बात सामने आई थी। जांच में सामने आया था कि आरोपी बिहार में बैठे मगध गैंग के सरगनाओं को यहां खाते खुलवाने के बाद उनकी जानकारी भेजते थे। इन खातों में साइबर ठगी की रकम आती थी। इसके एवज में आरोपियों को 10 प्रतिशत कमीशन मिलता था, जबकि जिन लोगों के नाम पर खाते होते थे, उन्हें भी कुछ रकम दी जाती थी।

पार्टी से लौट रहे परिवार से की मारपीट और लूट

देहरादून, देर रात एक परिवार से मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है। परिवार जन्मदिन की पार्टी से लौट रहा था। आरोप है कि कांवली रोड के पास कुछ युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने उनकी कार रुकवाई। कार रुकते ही आरोपियों ने चालक को कॉलर पकड़कर बाहर खींच लिया और कार की चाबी छीनने का प्रयास किया। इसके बाद करीब 10 से 12 युवकों ने परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी। महिलाओं और बीच–बचाव करने पहुंचे लोगों को भी नहीं बख्शा गया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावर कार में रखे 50 हजार रुपये नकद, सोने की चेन और तीन मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। हमले में एक युवक के सिर पर गंभीर चोट आई है। पीड़ित के अनुसार, 14 अगस्त को भी कुछ युवकों से उनका विवाद हुआ था। इस मामले में आईएसबीटी चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

बूथ कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : भरत चौधरी

रुद्रप्रयाग। भाजपा जिला कार्यालय में बूथ सशक्तीकरण को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाने के लिए बूथ स्तर पर मजबूती से कार्य करने का आह्वान किया।जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक मंडल में बैठकें आयोजित की जाएंगी। मंडल अध्यक्ष अपने–अपने शक्ति केंद्रों पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की टोली बनाकर बूथ समितियों की बैठक, सत्यापन और बूथ मैपिंग का कार्य करेंगे। जिला सह प्रभारी रघुबीर बिष्ट ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी।

वहीं प्रदेश महिला मोर्चा आईटी संयोजक रंजना चतुर्वेदी ने सरल ऐप के माध्यम से बूथ समितियों के सत्यापन, बूथ स्तर पर व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने और समिति सदस्यों की सही जानकारी अपडेट करने के लिए कहा। कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, कार्यक्रम के जिला संयोजक राय सिंह राणा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमन जमलोकी आदि मौजूद रहे।

दो वाहनों की भिड़ंत, छह लोग घायल

अगस्त्यमुनि। चंद्रापुरी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह दो वाहनों की भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों में सवार छह लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। डॉ. गिरीश रावत ने बताया कि घायल उत्तम सिंह, गौरव निवासी गुप्तकाशी एवं गुड्डी देवी निवासी अगस्त्यमुनि के सिर एवं चेहरे पर चोटें आई हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेफर किया गया है। वहीं हादसे में घायल जसपाल सिंह, कुंवरी देवी और लीला देवी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

चुनाव खर्च न बताने पर चार प्रत्याशी तीन साल के लिए अयोग्य

देहरादून,चुनाव आयोग ने पिछले विधानसभा चुनाव में खर्च का ब्योरा न देने वाले चार प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इस दौरान कोई भी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 10–क के तहत आदेश जारी कर चार अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को आगामी तीन साल की अवधि के लिए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। इस प्रतिबंध के बाद अब ये सभी व्यक्ति अगले तीन साल तक संसद के किसी भी सदन लोकसभा, राज्यसभा या किसी भी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य चुने जाने या रहने योग्य नहीं रहेंगे।

डिलीवरी के बाद बच्चा बदलने का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

देहरादून, दून अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों पर एक महिला की डिलीवरी के बाद बच्चा बदलने का आरोप लगा है। परिजनों ने हंगामे के बाद पुलिस से भी शिकायत की है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने जांच बैठाई है।जानकारी के मुताबिक 24 अगस्त की रात करीब 11 बजे प्रेमनगर निवासी सुमित की पत्नी नीरज ने नवजात को जन्म दिया था। वास्थ्यकर्मियों ने ओटी से निकलकर जानकारी दी कि आपको बेटी हुई है जबकि पर्चे पर बेबी बॉय दर्ज था। जब परिजनों ने पर्चे पर शिशु के लड़का होने की बात देखी तो वे भड़क गए।

परिजनों ने स्वास्थ्यकर्मियों पर आरोप लगाया कि उनका बच्चा बदलकर लड़के के बदले लड़की दे दी गई है। घटना का वीडियो वायरल हुआ तो अधिकारियों में अफरा–तफरी मच गई। वीडियो में परिजन पर्ची दिखाया रहे हैं। साथ ही एक महिला इंटर्न डॉक्टर से कहासुनी हो रही है।

विस्थापन की मांग को लेकर व्यापारियों का धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्टेशन रोड स्थित रेलवे स्टेशन भवन के सामने मौजूद दुकानों को हटाए जाने से पहले प्रभावित व्यापारियों को अन्यत्र स्थान उपलब्ध कराने की मांग को लेकर व्यापारियों का धरना जारी रहा। धरने पर बैठे दुकानदारों ने कहा कि जब तक उनके विस्थापन की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।स्टेशन रोड पर धरना दे रहे प्रभावित दुकानदारों ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से यहां दुकानें लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। उनका कहना है कि अचानक लोक निर्माण विभाग की ओर से उन्हें दुकानें खाली करने के नोटिस थमा दिए गए हैं। ऐसे में उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। दुकानदारों ने मांग की कि उन्हें नगर क्षेत्र में ही किसी उपयुक्त स्थान पर दुकानें लगाने के लिए जगह उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपना व्यवसाय जारी रख सकें। उन्होंने कहा कि कई जनप्रतिनिधियों की ओर से मौखिक रूप से विस्थापन का आश्वासन दिया जा रहा है,

कोटद्वार में स्टेशन रोड पर धरना देते प्रभावित व्यापारी।

लेकिन अभी तक इस संबंध में लिखित रूप से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे दुकानदारों की चिंता लगातार बढ़ रही है। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रवीण भाटिया ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपनी मांगों के लिए आंदोलन करने का अधिकार है। प्रभावित दुकानदार भी शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में आंदोलन का सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। धरने में मंगतराम, योगेंद्र वर्मा, सुशील कुमार, मुकेश कुमार वर्मा, महेंद्र भाटिया, प्रदीप कुमार, संजीव जैन, पुनीत वर्मा और प्रमोद कुमार समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

देवप्रयाग में अलर्ट जारी, लोगों से सर्तक रहने को कहा

देवप्रयाग : टिहरी बांध की झील का जल स्तर बढ़ने पर प्रशासन की ओर से नगर क्षेत्र में अलर्ट जारी किया गया है। नगर पालिका की ओर से डुगडुगी करवाकर नदी किनारे रहने वाले लोगों को विशेष सतर्क रहने को कहा गया है। साथ ही नगर स्थित संगम स्थल, टोडेश्वर रामकुंड, फुलाडी, बेलेश्वर, शांता नदी आदि घाटों पर स्थानीय श्रद्धालुओं सहित बाहरी स्थानों से आने वाले यात्रियों को स्नान आदि नहीं किए जाने की चेतावनी दी गई है। उधर केंद्रीय जलायोग की टीम भी भागीरथी व गंगा के जल स्तर पर निगाह बनाए हुए है। प्रशासन की ओर से टिहरी बांध का जलस्तर उच्चतम 820 मीटर तक पहुंचने के बाद कभी भी पानी छोड़े जाने की संभावना को देखते संबंधित विभागों को अलर्ट स्थिति में रखा गया है।

हाथियों का आतंक, फसल कर रहे बर्बाद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रास्टनंज क्षेत्र में हाथियों ने आबादी क्षेत्र में आकर नुकसान पहुंचाया है। क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने व हाथियों को आबादी क्षेत्र में आने से रोके जाने के लिए ठोस कार्यवाही करने की मांग की है। पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी भी जनता की जानमाल की सुरक्षा की मांग उठाई।

हाथियों के झुंड ने ग्रास्टनगंज क्षेत्र में कई घरों में तोड़-फोड़ कर नुकसान पहुंचाया और पेयजल लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। गुरूवार को पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे और हुए नुकसान का जायजा लिया। क्षेत्रीय जन का कहना है कि उनके घरों के आसपास आए दिन हाथी व गुलदार दिखाई देता है, जिससे छोटे बच्चों को खतरा बना रहता है। कहा कि जंगली जानवरों के भय से छोटे बच्चों को बाहर भेजने में डर लगता है। कहा कि जंगली जानवरों के स्थायी व प्रभावी समाधान के लिए केवल पिंजरा लगाने से काम नहीं चलेगा। बल्कि सरकार और वन विभाग को गश्त और निगरानी को मजबूत करना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

परखाल–डुंग्री मोटर मार्ग पर भूस्खलन

देवाल। बृहस्पतिवार रात हुई भारी बारिश के कारण देवाल–लोहाजंग स्टेट हाईवे और देवाल–खेता मानमती सड़क कई जगह बंद हो गई है। इससे 12 गांवों के दस हजार लोगों का संपर्क पांच दिन से कटा हुआ है। वहीं देवाल–लोहाजंग सड़क पूर्णा, नरमनौला और गमलीगाड में अवरुद्ध है। वहीं, देवाल–खेता सड़क सुयालकोट में बंद है। इन सड़कों के बंद होने से आवश्यक सामग्री और राशन की आपूर्ति बाधित हुई है।

सड़क के दोनों ओर तीस से अधिक वाहन फंसे हुए हैं। गमलीगाड में श्री नंदा लोकजात व बड़ीजात पैदल मार्ग पर जिला पंचायत की आरसीसी पुलिया भी बह गई है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि बंद सड़कों को खोलने के लिए जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। दूसरी ओर देवाल में बृहस्पतिवार रात भारी बारिश के कारण सेलखोला गांव में भू–धंसाव हुआ। इससे सात मकान खतरे में आ गए हैं। सवाड गांव में देवीराम का मकान मलबे से प्रभावित हुआ। तल्ला सवाड़ का प्राथमिक स्कूल भी मलबे से भर गया है।

दो परिवारों को दस–दस हजार रुपये का मुआवजा मिला

गौचर। तलधारी कस्बे में तीन माह पूर्व करंट से प्रभावित दो परिवारों को ऊर्जा निगम ने दस–दस हजार रुपये का मुआवजा दिया है। पशुपालक उर्मिला देवी की मृत गाय के मुआवजे की कार्रवाई अभी जारी है। यह घटना बीते 21 मई को सुबह दस बजे हुई थी। ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी से घरों में करंट फैल गया था। इससे कई परिवारों के मीटर, टीवी और पंखे समेत कई उपकरण जल गए थे। उर्मिला देवी की एक गाय की भी करंट लगने से मौत हो गई थी। वार्ड सभासद गौरव कपूर ने मुआवजे की मांग की थी। ऊर्जा निगम के सुरक्षा विभाग ने चकोरी देवी और विनोद कुमार को यह धनराशि दी। जेई चंद्र सिंह बुटोला ने बताया कि गाय के मुआवजे की कार्रवाई जारी है।

स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति की पदयात्रा पहुंची कर्णप्रयाग

कर्णप्रयाग। शुक्रवार को स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति की पदयात्रा कर्णप्रयाग पहुंची। मुख्य बाजार में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा मोहन उत्तराखंडी ने राज्य आंदोलनकारियों और आम जनता की भावनाओं को देखते हुए राजधानी गैरसैंण के लिए शहादत दी थी लेकिन ढाई दशक बाद भी प्रदेश की स्थायी राजधानी नहीं बन पाई। समिति के विनोद रतूड़ी ने कहा कि गैरसैंण स्थायी राजधानी की पदयात्रा एक सितंबर को गैरसैंण रामलीला मैदान पहुंचेगी। इस दौरान समिति ने अलकनंदा और पिंडर के संगम पर गैरसैंण को राजधानी घोषित नहीं किए जाने पर सरकार का पिंडदान किया। कार्यक्रम में अर्जुन सिंह, गिरीश नौटियाल सहित अन्य शामिल थे।

माईथान में पांच दिवसीय जन्माष्टमी महाकौथिग 31 से

गैरसैंण। माईथान में 31 अगस्त से चार सितंबर तक पांच दिवसीय कृष्ण जन्माष्टमी महाकौथिग का आयोजन किया जाएगा। इसके शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल को आमंत्रित किया गया है।

आयोजकों ने बताया कि मेले में चमोली के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, सांसद अनिल बलूनी और शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत को भी आमंत्रित किया गया है जबकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल सहित ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य और नगर पंचायत अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। महिला मंगल दल और स्कूली बच्चों की ओर से सुलेख, पेंटिंग, झांकियां और फैशन शो जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। लकी ड्रा भी होगा।

कोटद्वार में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही बहनों में भाइयों की कलाई पर राखी बांधने को लेकर उत्साह नजर आया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को विभिन्न प्रकार के उपहार देकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

रक्षाबंधन को लेकर शहर में सुबह से ही खासा उत्साह बना रहा। बच्चों में पर्व को लेकर सबसे अधिक उत्सुकता दिखाई दी। बहन-भाई नए कपड़ों में सजकर राखी बांधने और बंधवाने के लिए एक-दूसरे के घर पहुंचे। पर्व को लेकर बाजारों में भी काफी चहल-पहल रही। लोगों ने अपनी बहनों और भाइयों के लिए राखी, मिठाई और विभिन्न प्रकार के उपहार खरीदे। मिष्ठान की दुकानों पर सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली।

दुकानदारों ने रक्षाबंधन को देखते हुए विभिन्न प्रकार की मिठाइयां तैयार की थीं। इस दौरान शहरवासियों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की बधाई दी। पूरे क्षेत्र में दिनभर त्योहार का उल्लास देखने को मिला।

11 छात्रों का हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

कर्णप्रयाग। श्री बदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर सिमली में ऋषितर्पणी का पर्व धूमधाम और वैदिक रीति–रिवाज के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 11 मेधावी बटुकों (छात्रों) का विधि–विधान के साथ यज्ञोपवीत संस्कार किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एमआर पुरोहित ने छात्रों से राष्ट्र निर्माण में अपना उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वहीं डॉ. पीके सेमवाल ने बटुकों को देव ऋण उतारने और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का बोध कराया। यज्ञोपवीत का भव्य अनुष्ठान मुख्य आचार्य दिवाकर डिमरी के कुशल निर्देशन में हुआ। संस्कार के उपरांत छात्रों ने पारंपरिक परिधानों में न्यू डिम्मर क्षेत्र में भिक्षाटन किया। छात्रों के भवति भिक्षां देहि के स्वरों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा।

सीबीसीआईडी के पूर्व दरोगा का फंदे से लटका मिला शव

हल्द्वानी। मुखानी स्थित आदर्श कॉलोनी निवासी सीबीसीआईडी के सेवानिवृत्त दरोगा आनंद सिंह बिष्ट (60) का शव उन्हीं के घर में फंदे से लटका मिला। पड़ोस के लोग उन्हें फंदे से उतारकर सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचे जहां डॉ. ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में बीमारी के चलते तनाव में रहने की बात सामने आई है।

पुलिस के अनुसार आनंद सिंह बिष्ट ने दो वर्ष पूर्व ही नौकरी से वीआरएस लिया था। मुखानी में वह पत्नी के साथ रह रहे थे और उनके दोनों बेटे सरकारी नौकरी में होने की वजह से दूसरे शहरों में तैनात हैं। जानकारी के अनुसार आनंद लंबे समय से बीमार थे। इसकी वजह से वह मानसिक तनाव में भी थे। बुधवार रात उनकी पत्नी ने उन्हें कमरे के बाहर बालकनी में फंदे से लटका देखा। शोर मचाते हुए पड़ोसियों को बुलाया। आसपास के लोग उन्हें एसटीएच ले गए जहां चिकित्सकों ने आनंद को मृत घोषित कर दिया गया। एसपी ऋइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि मानसिक तनाव में रहने की बात सामने आई है। हालांकि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चल पाएगा।

नेत्रदान एवं अंगदान के लिए रोटरी क्लब ने चलाया जागरूकता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार के तत्वावधान में नेत्रदान एवं अंगदान पखवाड़े के अंतर्गत जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रथम चरण में नगर क्षेत्र के 10 प्रमुख स्थानों पर नेत्रदान एवं अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले बैनर लगाए गए।

बद्रीनाथ मार्ग स्थित डॉ. विजय मैठाणी क्लीनिक में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब अध्यक्ष रो. प्रतिभा गुप्ता ने किया। उन्होंने नेत्रदान एवं शरीर के विभिन्न अंगों के दान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है, जबकि नेत्रदान किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी ला सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने का आह्वान किया। नेत्रदान-अंगदान जागरूकता अभियान के निदेशक रो. विपिन बक्शी ने कहा कि अंगदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवनदान मिल सकता है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में सेमिनार और रैलियों के माध्यम से हजारों स्थानीय नागरिकों को अंगदान एवं नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य अंगदान को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना तथा लोगों को इस महादान के लिए प्रेरित कर सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यक्रम के चेयरमैन रो. अनिल कुमार भोला ने स्वयं नेत्रदान का संकल्प लेकर उपस्थित लोगों के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। अभियान के निदेशक रो. डॉ. विजय मैठाणी एवं रो. विपिन बक्शी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि इस अभियान के वास्तविक लाभार्थी वे दृष्टिहीन लोग हैं, जिन्हें कॉर्निया प्रत्यारोपण के माध्यम से दुनिया देखने का अवसर मिल सकता है। वहीं गंभीर रूप से बीमार वे मरीज भी इससे लाभान्वित हो सकते हैं, जो अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में जीवन-मृत्यु से संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज का प्रत्येक जागरूक नागरिक इंसानियत के नाते इस महाअभियान का हिस्सा बन सकता है।

रोटरी क्लब ने सभी नागरिकों से नेत्रदान एवं अंगदान का संकल्प लेकर इस अभियान को सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर रोटरी क्लब सचिव बीना रावत, रो. विपिन बक्शी, रो. डॉ. विजय मैठाणी, रो. अनीत चावला, रो. अनिल कुमार भोला, रो. गोपाल बंसल, रो. श्रीमती ऊषा अग्रवाल, रो. डी.पी. सिंह, रो. संजीव अग्रवाल, रो. मनीष अग्रवाल, रो. विजय कुमार माहेश्वरी सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। जानकारी प्रवक्ता गोपाल बंसल ने दी।

जागरूकता अभियान चलाते रोटरी क्लब के सदस्य

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में कथित वीआईपी का नाम अब तक सार्वजनिक नहीं किए जाने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। गुरुवार रात पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने झंडाचौक पर कैंडल मार्च निकालकर अंकिता भंडारी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले में निष्पक्ष कार्रवाई और वीआईपी का नाम सार्वजनिक करने की मांग उठाई।

पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड की बेटी थी और उसके साथ पूरे प्रदेश की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना को कई वर्ष बीतने के बावजूद पीड़ित परिवार को अभी तक पूर्ण न्याय नहीं मिल पाया है। लगातार वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार इस मामले में खानापूर्ति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने वीआईपी नेता को बचाने के लिए पीड़ित परिवार के साथ अन्याय कर रही है। अंकिता के माता-पिता न्याय की मांग को लेकर लगातार दर-दर भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उत्तराखंड की बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर स्तर पर आवाज उठाती रहेगी। बेटियों के शोषण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नेगी ने कहा कि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस आंदोलन को प्रदेशव्यापी रूप देगी। कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंकिता को श्रद्धांजलि देते हुए न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर संजय मित्तल, हेमचंद्र पंवार, विजय रावत, अमित राज नेगी, सुनीता देवी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोटद्वार के झंडाचौक पर अंकिता की स्मृति में कैंडल मार्च निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता।

पुलिया मरम्मत की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता अरूण भट्ट ने नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सूर्यनगर व बालासौड़ के मध्य बहने वाले बरसाती नाले पर पुलिया का निर्माण न कराए जाने पर आक्रोश जताया। उन्होंने शासन-प्रशासन पर न्यायालय के आदेशों की अनदेखी का आरोप लगाया।

अरूण भट्ट ने कहा कि पूर्ववत्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2012 में सूर्यनगर व बालासौड मध्य बहने वाले बरसाती नाले में पुलिया का निर्माण करवाया गया था, लेकिन क्षेत्र के लोगों ने उक्त पुलिया के डिजायन पर आपत्ति जताई। क्षेत्र के लोगों का कहना था कि पुलिया के बीच में बने पिल्लरों के कारण वर्षाकाल में कूडा करकट व पेड़ फंस जाने से क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है, जिसके कारण विभाग ने पुलिया को ध्वस्त कर दिया था।

उसके बाद पुलिया निर्माण को लेकर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शशिधर भट्ट ने न्यायालय में वाद दायर किया था, जिसमें न्यायालय की तरफ से तोड़ी गई पुलिया की जगह दूसरी नई पुलिया बनाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अभी तक पुलिया का निर्माण नहीं हो पाया, जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को आवाजाही करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से न्यायालय के आदेशों का पालन कर शीघ्र ही पुलिया का निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में खुशी का माहौल रहा। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी तथा लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार बहनों को उपहार भेंट कर जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन दिया। पर्व को लेकर मिठाई और राखी की दुकानों पर दोपहर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। बहनों ने भाइयों के लिए अलग-अलग डिजाइन की राखियों और मिठाइयों की खरीदारी की। बाजारों में रक्षाबंधन को लेकर खास चहल-पहल देखने को मिली। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीर्घ जीवन की कामना की। भाइयों ने बहनों को आजीवन उनकी रक्षा करने का वचन दिया। बहनों और भाईयों का एक-

दूसरे के घर आने जाने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था जो देर शाम तक चला। जिला मुख्यालय सहित श्रीनगर, पाबौ, थलीसैंण, पोखड़ा, बीरोंखाल, सतपुली सहित अन्य स्थानों में रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया।

चंदा चोरी के खिलाफ कांग्रेस की चौपाल, घर-घर अभियान चलाने का निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला कांग्रेस कमेटी कोटद्वार की ओर से चंदा चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ घर-घर पहुंचकर जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया। चौपाल को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि राम मंदिर के नाम पर देशभर के लोगों ने आस्था और विश्वास के साथ बड़ी मात्रा में चंदा दिया है। मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे के संग्रह और उसके उपयोग को लेकर समय-समय पर सवाल और आरोप सामने आते रहे हैं। ऐसे में जनता के सामने पूरे मामले की पारदर्शी जानकारी रखी जानी चाहिए। उन्होंने मंदिरों में आने वाले दान का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई। कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था और जनता के धन से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। कांग्रेस चंदा चोरी के खिलाफ चौपाल के माध्यम से गांव-गांव और आम जनता के बीच पहुंचकर जागरूकता अभियान चलाएगी। विकास नेगी ने कहा कि जनता के विश्वास, अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता। कांग्रेस कार्यकर्ता इस मुद्दे को लेकर लगातार जनता के बीच जाएंगे और सरकार की नीतियों से लोगों को अवगत कराएंगे। इस मौके पर आदेश तोमर, पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन माधव अग्रवाल आदि मौजूद थे।

संपादकीय

नेपाल में त्रासदी, साझा जिम्मेदारी

नेपाल और भारत के बीच रोटी बेटी का रिश्ता कहा जाता है। दोनों देशों के बीच आपसी प्रेम एक सभ्यता परंपराएं होने के कारण आज तक एक दूसरे देशों में जाने के लिए पासपोर्ट और वीजा व्यवस्था नहीं है। नेपाल और भारत के लाखों परिवार ऐसे हैं उनके नाते रिश्तेदार यहां वहां बसे हुए हैं। नेपाल की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था में भारत की एक बड़ी भूमिका है। हालांकि ऐसे कई मौके आए हैं जब नेपाल की तरफ से भारत को आंख दिखाने की कोशिश की गई लेकिन भारत की ओर से इसका कभी भी एक बड़ा देश होने के कारण विरोध आत्मक दृष्टिकोण नहीं रखा गया। आज नेपाल एक बड़ी भारी त्रासदी से जूझ रहा है और ऐसी परिस्थितियों में पूरा नेपाल भारत की ओर उम्मीद की आस लगाए हुए हैं भारत सरकार ने भी नेपाल की सहायता करने के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ीहै। क्योंकि भारत का एक नैतिक कर्तव्य और पड़ोसी होने के नाते जिम्मेदारी भी है। नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक संबंध है। यही कारण है कि जब नेपाल किसी प्राकृतिक आपदा से जूझता है तो उसकी पीड़ा भारत में भी महसूस की जाती है। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और ग्लेशियर जनित जलप्रलय ने भारी जन–धन हानि पहुंचाई है तथा इसके प्रभाव को देखते हुए भारत के कई सीमावर्ती राज्यों को भी सतर्क रहना पड़ा है। जब नेपाल में अत्यधिक वर्षा, भूस्खलन या ग्लेशियर झीलों के फटने जैसी घटनाएं होती हैं तो उसका सीधा प्रभाव भारत के मैदानी क्षेत्रों पर भी पड़ता है। ऐसे समय में भारत का दायित्व केवल एक पड़ोसी देश का नही, बल्कि एक सच्चे मित्र का भी है। आपदा के क्षणों में संवेदना, राहत सामग्री, तकनीकी सहायता और बचाव कार्यों में सहयोग मानवता की सबसे बड़ी पहचान होती है। भारत सरकार द्वारा नेपाल की स्थिति पर लगातार नजर रखना तथा सीमावर्ती राज्यों को सतर्क रहने के निर्देश देना इसी सहयोगात्मक भावना का परिचायक है। नेपाल को इस त्रासदी से उबरने में कई साल लग जाएंगे लेकिन हालांकि यह संकट केवल राहत और बचाव तक सीमित नही है। हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के पिघलने और अनियोजित विकास कार्यों ने प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय में ऐसी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ सकती है। इसलिए भारत और नेपाल को मिलकर एक मजबूत आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली, नदी प्रबंधन तंत्र और पर्यावरण संरक्षण की संयुक्त रणनीति विकसित करनी होगी। नेपाल की बाढ़ भारत के लिए भी एक संदेश है कि साझा नदियों और साझा भूगोल वाले देशों का भविष्य भी साझा होता है। यदि नेपाल सुरक्षित रहेगा तो भारत के सीमावर्ती क्षेत्र भी अधिक सुरक्षित रहेंगे। पड़ोसी धर्म का अर्थ केवल संकट के समय सहायता देना नही, बल्कि ऐसी परिस्थितियों को रोकने के लिए मिलकर काम करना भी है। भारत और नेपाल के संबंध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं; वे साझा इतिहास, संस्कृति और भाग्य से जुड़े हैं। इसलिए नेपाल के दुख में भारत की संवेदना और हर तरह का सहयोग स्वाभाविक ही नही, बल्कि आवश्यक भी है।

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में ह्यविविधता में एकताह्ण का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम-घूमकर छोटे-मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो-टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा-भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रूकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कोर्ट परिसर और बाहर गैंगवार कानून व्यवस्था पर सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

अदालतों और कचहरी परिसरों के बाहर इस तरह की आपराधिक घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाती हैं और आम नागरिकों में डर पैदा करती हैं।अदालतों के बाहर लगातार बढ़ रही गैंगवार और गोलीबारी की घटनाएं देश में न्यायपालिका और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं दरअसल कई बार कोर्ट परिसरों के गेट पर पर्याप्त पुलिसकर्मी या मेटल डिटेक्टर नहीं होते हैं। वकीलों, मुवक्किलों और आम जनता की भारी भीड़ के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान करना कठिन हो जाता है। आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की सघन तलाशी न होना अपराधियों को मौका देता है।देश के कई हिस्सों में अदालत परिसरों व उनके आस-पास अपराधी गिरोहों तथा अन्य लोगों द्वारा गोलीबारी और हिंसा का सिलसिला कुछ समय से जारी है जिससे ये स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं जिसका अनुमान पिछले दिनों लगातार हो रही घटनाओं से लगाया जा सकता है आपको बता दें 20 अगस्त 2026 को हरियाणा के हिसार कोर्ट परिसर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गैंगस्टर विनोद पाणु की हत्या कर दी गई।

आपको याद होगा 24 सितम्बर, 2021 को दिल्ली की रोहिणी अदालत के अंदर जज के सामने 2 हमलावरों ने गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला।बिहार - फरवरी 2024: आरा सिविल कोर्ट गेट के पास बदमाशों ने पेशी पर आए एक बुजुर्ग आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।8 जुलाई, 2022 को मोगा (पंजाब) के अदालत परिसर में एक केस के सिलसिले में पेशी भुगतने आए दोनों पक्षों के लोगों में पार्किंग एरिया में गाड़ी आगे बढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर गोलियां चला दीं।7 फरवरी, 2023 को लुधियाना में पेशी भुगतने आए लोगों के 2 गुटों के बीच बहस के बाद एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर देने से 3 लोग घायल हो गए। 21 अप्रैल, 2023 को दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में एक वकील ने पेशी भुगतने आई एक महिला के साथ पुराने विवाद के चलते उस पर गोलियां चला दीं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

6 जुलाई, 2023 को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में 2 वकीलों के ग्रुपों के बीच झगड़े के बाद पहले दोनों धड़ों ने एक-दूसरे पर पत्थरों से हमला किया और फिर एक धड़े के वकील ने दूसरे धड़े के वकील पर गोली चला दी।

4 सितम्बर, 2025 को भिवानी (हरियाणा) अदालत परिसर में वकीलों के एक चैम्बर के निकट अपने परिचितों के साथ बैठे एक व्यक्ति पर हमलावरों ने गोलियां चला कर उसे मार डाला। इस मामले की जांच रिपोर्ट में पता चला कि हमलावर वास्तव में उक्त व्यक्ति को मारने नहीं आए थे। उनका निशाना तो बिजेंद्र और काला नामक 2 व्यक्ति थे। सुपारी लेकर हमलावरों ने उन दोनों की हत्या की योजना बनाई थी परंतु फायरिंग के दौरान गोली गलत व्यक्ति को लग गई।

16 मई, 2026 को खरखौदा (हरियाणा) अदालत में दहेज प्रताड़ना और घरेलू विवाद के मामले में पेशी भुगतने आए नीरज उर्फ कातिया के पेशी के बाद एस.डी.एम. कार्यालय के निकट पहुंचते ही कार में सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे नीरज की मौत हो गई।

6 अगस्त, 2026 को चरखी दादरी (हरियाणा) में अदालत में पेशी के बाद जा रहे 7 युवकों पर दूसरे पक्ष द्वारा अदालत परिसर से कुछ ही दूरी पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग के परिणामस्वरूप कार में सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी गर्दन और पैरों पर 3 गोलियां लगी थीं।

और अब 20 अगस्त, 2026 को हिसार (हरियाणा) के कोर्ट परिसर में गैंगस्टर विनोद काना पेशी भुगतने के बाद जब अपने साथियों के साथ पैदल चल कर बाहरी गेट के पास पहुंचा तो अचानक 2 हमलावरों ने ताबड़तोड़ 12 राऊंड से अधिक गोलियां बरसा कर विनोद काना की हत्या कर दी। इस हमले में गोली लगने से गैंगस्टर का एक साथी घायल हो गया तथा दूसरे के हाथ पर छर्रे लगे। ये तो सिर्फ कुछ वारदातें बानगी है आए दिन अपराधी अदालत में और बाहर परस्पर रंजिशन खून खराबा कर रहे हैं उन्हें कानून का तनिक भय नही है। इसी तरह की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए 12 अगस्त, 2023 को जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट ने सुप्रीमकोर्ट में देश भर के न्यायिक परिसरों में अदालतों में सुरक्षा सम्बन्धी रणनीति बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा था कि, ऐसी घटनाएं न केवल जजों बल्कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करती हैं। अदालत परिसरों में सुरक्षा मजबूत करने के आदेश देते हुए उन्होंने कहा कि, एक ऐसे स्थान के रूप में अदालत की पवित्रता को बनाए रखने के लिए समझौता नहीं किया जा सकता। अतः न्यायिक संस्थान सभी पक्षकारों की भलाई के लिए व्यापक कदम उठाएं।

अदालत परिसरों में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा प्रणाली में खामियों का मुंह बोलता उदाहरण हैं। इसके लिए जहां अदालत परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है, वहीं अनेक अदालतों में प्रमुख स्थानों पर जहां अभी भी कैमरे नहीं लगे और जो लगे हैं, उनमें से भी अधिकांश काम नहीं कर रहे, उनका चालू हालत में होना अदालतों में सुरक्षा के लिए जरूरी है।

कोर्ट के बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवेश नियंत्रण, आधुनिक तकनीक और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।अदालत परिसरों की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण के मुख्य उपाय इस प्रकार हैं:सख्त प्रवेश नियंत्रणः प्रत्येक प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर लगाए जाएं। बिना वैध पहचान पत्र या कोर्ट पास के किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित हो।सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए परिसर के चारों ओर, गेट और गलियारों में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाकर एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे निगरानी की जाए। पुलिस विभाग द्वारा अदालत परिसरों के लिए एक विशेष और प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा बल तैनात किया जाए।यातायात और पार्किंग नियमन अदालत के आसपास अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ पर पूरी तरह रोक हो, ताकि संदिग्ध वाहनों या व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाईः स्थानीय पुलिस को अपराधियों की टोह लेने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश हों।

इसके साथ ही अदालतों में पुलिस की तैनाती बढ़ा कर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है ताकि वहां खूनखराबे और मारकाट की घटनाओं के चलते न्याय प्रक्रिया में बाधा न पड़े।

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

ललित गर्ग

29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज- ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं।

29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है।

टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहल ने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान तथा खेल अवसंरचना के विकास को गति दी है। टॉप्स-टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से संभावित ओलंपिक पदक विजेताओं को लक्षित सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों ने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, पोषण, विदेशी प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, वैज्ञानिक सहयोग और आर्थिक सहायता पर बढ़ता ध्यान इस बात का संकेत है कि खेल नीति अब केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। प्रतिभा की खोज से लेकर उसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने तक एक समग्र खेल-परिसंस्था तैयार करने की कोशिश हो रही है।

जब हम 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब विकसित भारत की तस्वीर केवल ऊंची जीडीपी, आधुनिक सड़कों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय शहरों से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का वास्तविक अर्थ होगा- स्वस्थ नागरिक, ऊर्जावान युवा, मानसिक रूप से मजबूत समाज और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र। इस लक्ष्य में खेलों की भूमिका निर्णायक है। खेल युवाओं को नशे, निष्क्रिय जीवनशैली और दिशाहीनता से दूर रख सकते हैं। वे समयबद्धता, लक्ष्य-निर्धारण, हार को स्वीकार कर पुनः प्रयास करने की क्षमता और नेतृत्व सिखाते हैं। खेल मैदान लोकतंत्र की तरह हैं-यहां प्रदर्शन, अनुशासन और योग्यता ही निर्णायक होते हैं। आज देश में फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी ऊर्जा स्वस्थ मानव संसाधन में परिवर्तित हो। फिट भारत ही उत्पादक भारत और शक्तिशाली भारत का आधार बन सकता है।

खेलों की एक और बड़ी शक्ति है-वे सीमाओं के पार संवाद स्थापित करते हैं। मैदान में प्रतिद्वंद्वी देश आमने-सामने होते हैं, लेकिन खेल के बाद वही खिलाड़ी एक-दूसरे के अनुभव, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को समझते हैं। ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं देशों के बीच संवाद और सद्भाव का माध्यम बनती हैं। भारत की खेल उपलब्धियां उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करती हैं। जब भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गूंजता है, तो करोड़ों भारतीयों में एक साथ गर्व और एकता की अनुभूति पैदा होती है। खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है। महिला खिलाड़ियों, दिव्यांग खिलाड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं के लिए विशेष अवसर और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मानसिकता में होना चाहिए। खेल में हार असफलता नहीं, अगली जीत की तैयारी है। यह भावना यदि शिक्षा और जीवन में भी उतर जाए तो भारत की युवा शक्ति असाधारण परिणाम दे सकती है।

खेल केवल पदक नहीं देते, वे रोजगार और अर्थव्यवस्था भी बनाते हैं। स्टेडियम, खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, फिटनेस उद्योग, खेल प्रसारण, पर्यटन, कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन और डेटा एनालिटिक्स जैसे अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारत में खेल-आधारित स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। अर्थात खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी और नई अर्थव्यवस्था में निवेश है। इसलिये राष्ट्रीय खेल दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का अवसर देता है-हर बच्चा खेले, हर युवा फिट रहे और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। हमें ऐसी खेल संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अभिभावक खेल को समय की बबार्दी न समझें, विद्यालय खेल को अतिरिक्त गतिविधि न मानें और समाज खिलाड़ी को केवल पदक जीतने के बाद सम्मान न दे।

2047 का विकसित भारत यदि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चाहता है तो उसे खेलों में भी अग्रणी राष्ट्र बनना होगा। आर्थिक शक्ति और खेल शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। जिस देश के युवा मैदान में लक्ष्य साधना सीखते हैं, वे जीवन में भी बड़े लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस इसलिए केवल ध्यानचंद को श्रद्धांजलि का दिवस नहीं; यह भारत की युवा शक्ति को जगाने, खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और विकसित भारत के निर्माण में खेलों को राष्ट्रीय अभियान बनाने का दिवस है। आज आवश्यकता है कि हम ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा, नीरज की दृढ़ता, सिंधु के संघर्ष, मनु भाकर के आत्मविश्वास और हमारे हजारों उभरते खिलाड़ियों के सपनों को एक राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि शरीर से स्वस्थ, मन से मजबूत, चरित्र से अनुशासित और खेल के मैदान में विश्वविजयी भारत बने- यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे सार्थक संदेश है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल-चीन में 1500 के करीब लोग लापता, इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल, मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता हैं। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके वहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल हैं। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है।

पुजारी ने बुरी आत्मा के अनुष्ठान के नाम पर महिला से किया उत्पीड़न, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका के एक हिंदू पुजारी को कनाडा में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने ओंटारियो के ओशावा में एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान अपने धार्मिक पद का दुरुपयोग किया। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को एक परिवार ने अमेरिका से बुलाकर एक हिंदू धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा था। डरहम क्षेत्रीय पुलिस के बयान के अनुसार, पूर्वी डिवीजन के सदस्यों ने मंगलवार, 25 अगस्त को हारमनी रोड नॉर्थ और कॉनलिन रोड ईस्ट के इलाके में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और उसके परिवार ने एक पुजारी को धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए बुलाया था। आरोपी ने कथित तौर पर महिला को यह विश्वास दिलाया कि उस पर बुरी आत्मा का साया है और उसे ठीक होने के लिए एक निजी अनुष्ठान की आवश्यकता है। पुलिस के अनुसार, इसके बाद वह पीड़िता को एक निजी स्थान पर ले गया, जहां कथित तौर पर धार्मिक अनुष्ठान करने के बहाने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। बाद में पुलिस से संपर्क किया गया और बिना किसी घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान राजेंद्रनाथ दूदनाथ माराज (50 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रिचमंड हिल, न्यूयॉर्क का निवासी है। उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में लिया गया है। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि उन्हें आशंका है कि अन्य पीड़िति भी हो सकते हैं। उन्होंने जांच के तहत आरोपी की तस्वीर जारी की है। पुलिस घटना या आरोपी से जुड़ी इसी तरह की अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से पूर्वी डिवीजन आपराधिक जांच शाखा के डी/कांस्टेबल क्रोनिन से 1-888-579-1520, एक्सटेंशन 1605 पर संपर्क करने का अनुरोध कर रही है। गुमनाम सूचनाएं डरहम रीजनल क्राइम स्टॉपर्स को 1-800-222-(8477) पर कॉल करके या उनकी वेबसाइट के माध्यम से भी दी जा सकती हैं। सूचना देने वालों को नकद इनाम मिल सकता है।

अमेरिका लौटते समय थाईलैंड में क्यों रुकेगा युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन, पश्चिम एशिया में था तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। थाई अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिका का शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद कुछ दिन थाईलैंड में रुकेगा। यूएसएस मिडिल ईस्ट में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद थाईलैंड में रुकेगा। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में मदद कर रहा था, और इसकी तैनाती के दौरान इसने समुद्र में लगातार 250 दिनों से ज्यादा समय बिताया, जो एक रिकॉर्ड है। क्रू की बिगड़ती मानसिक सेहत और खाने-पीने व साफ-सफाई के सामान जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरों के बाद लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने कहा कि लिंकन अगले हफ्ते अपने अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले आराम और रिकवरी के लिए थाईलैंड में रुकेगा। बैंकॉक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, थाईलैंड में रुकना क्रू के लिए जमीन पर उतरने और आराम करने का एक मौका है। मंगलवार को रॉयल थाई नेवी ने कहा कि अमेरिकी नेवी के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के तीन जहाज पूर्वी थाईलैंड में रुकेंगे और इस यात्रा के दौरान कोई सैन्य अभ्यास नहीं किया जाएगा। कैरियर की लंबी तैनाती से लंबे समय तक घर से दूर रहने वाले जवानों पर असर पड़ता है और जहाज व उसके उपकरणों पर भी दबाव बढ़ता है।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हुआ, लापता लोगों में 476 विदेशी नागरिक शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बुधवार को आई भयंकर त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा 150 के पार पहुंच गया है। तिब्बत सीमा पर अचानक आई बाढ़ अपने रास्ते में सबकुछ बहाकर ले गई। इस बाढ़ में कई पुल, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गए। एक हजार के करीब लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और इनमें 133 भारतीय भी शामिल हैं।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ : नेपाल में बुधवार को आई त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हो गया है। नेपाल सरकार के आंकड़ों के अनुसार, सैंकड़ों लोग लापता हैं, जिनमें 28 देशों के 476 विदेशी नागरिक शामिल हैं। नेपाल सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि लापता लोगों में नेपाली सेना के 44, नेपाली पुलिस के 28 और नेपाल सशस्त्र बलों के 13 जवान भी लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने कहा है कि लापता लोगों में 579 पर्यटक है।

नेपाल बाढ़ पर दुनियाभर के नेताओं ने जताया शोक, हर संभव मदद को लेकर दिखाई एकजुटता नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 162 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि सुरक्षाकर्मियों और पर्यटकों समेत सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। इस त्रासदी को लेकर दुनियाभर के नेताओं ने दुख जताते हुए नेपाल और पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता जाहिर की। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने

त्रासदी को लेकर गहरा दुख जताते हुए यूरोप की ओर से अधिक से अधिक सहायता की बात कही।

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष ने जताया दुख : अध्यक्ष उर्सुला वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, %नेपाल और चीन में आई विनाशकारी बाढ़ ने कई समुदायों को बुरी तरह प्रभावित किया है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस आपदा से प्रभावित हुए हैं, खासकर उन परिवारों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है या जो अब भी उनके बारे में किसी खबर का इंतजार कर रहे हैं। हम उन बहादुर राहत और बचाव कर्मियों को भी याद कर रहे हैं जो कठिन परिस्थितियों में लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में प्रभावित इलाकों का नक्शा तैयार करने और जमीनी स्तर पर राहत कार्यों में सहायता देने के लिए कोपरनिकस प्रणाली को सक्रिय किया गया है। यूरोपीय संघ जरूरत पड़ने पर और अधिक सहायता देने के लिए भी तैयार है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बोले-राहत और बचाव कार्यों में सहयोग कर रहे : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में कहा, नेपाल और चीन में आई भीषण बाढ़ से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, कई लोग लापता हैं और बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी पूरी एकजुटता और सहानुभूति है। नेपाल में संयुक्त राष्ट्र सरकार के नेतृत्व में चलाए जा रहे राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की टीमें और मानवीय सहायता से जुड़े साझेदार संगठन बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद के लिए राहत सामग्री और कर्मियों को तेजी से जुटा रहे हैं। नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन ने भी इस आपदा पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हम गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं, जो लोग अपने परिवार या करीबी लोगों की खबर का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें हम हिम्मत और शक्ति की कामना करते हैं। हम कठिन परिस्थितियों में राहत और बचाव कार्य कर रहे नेपाली अधिकारियों और आपदा राहतकर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जिसमें प्रभावित क्षेत्र में मौजूद डच नागरिकों की स्थिति भी शामिल है।

जापान की प्रधानमंत्री ने भी संवेदनाएं जाहिर कीं : वहीं, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भी नेपाल बाढ़ त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। तकाइची ने एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल में आई व्यापक बाढ़ के मद्देनजर, मैं नेपाल सरकार और नेपाल की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पांच जापानी नागरिक लापता हैं।

संघ प्रमुख के अमेरिका में कार्यक्रम को लेकर अलर्ट, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने चेतावनी क्यों जारी की

वॉशिंगटन, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका दौरे पर हैं। उनका यह दौरा शुरुआत से ही चर्चाओं में बना हुआ है। अब अमेरिका के एक गैर लाभकारी हिंदू संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में हिंदू समुदाय के लोगों से मोहन भागवत के मैडिसन स्कवायर गार्डन में होने वाले कार्यक्रम के लिए सतर्क रहने की अपील की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी, शैक्षिक संगठन है, जिसकी स्थापना साल 2003 में हुई थी। इसका मुख्यालय वॉशिंगटन डीसी में है। यह संगठन अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के हितों का ध्यान रखता है।

मोहन भागवत के कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा- सामुदायिक परामर्श! हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, न्यूयॉर्क शहर के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले सार्वभौमिक एकता समारोह से पहले यह सुरक्षा चेतावनी जारी कर रहा है। सतर्क रहें, हालात से अवगत रहें और शालीनता बनाए रखें।

संगठन ने कहा, हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले लोगों ने समारोह को बाधित करने का प्रयास किया है। हम न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से अपील करते हैं कि वे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य का पालन

करें और सभी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी दें।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की यह चेतावनी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी मानवाधिकार निकाय, यूएससीआईआरएफ ने संघ प्रमुख के अमेरिका दौरे का विरोध किया है। पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक आसिफ महमूद की अध्यक्षता वाले यूएससीआईआरएफ ने कहा है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति बिगड़ रही है और इस निकाय ने अमेरिका से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर विचार करने को कहा है।

हालांकि विदेश मंत्रालय ने 21 अगस्त को एक ब्रीफिंग में यूएससीआईआरएफ के बयान की कड़ी निंदा की थी और यूएससीआईआरएफ की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि यूएससीआईआरएफ एक पक्षपाती संस्था है और यह वर्षों से भारत के बारे में गलत और भड़काऊ बयान देती रही है।

पाकिस्तान में 200 साल पुराना गुरुद्वारा गिराया, सिखों की विरासत की जा रही खत्म

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में करीब 200 साल पुराने ऐतिहासिक 'श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा' को गिरा दिया गया। अब इस जगह पर एक मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बलूचिस्तान गुरुद्वारा सिंह सभा के सदस्य सरदार जसबीर सिंह के अनुसार, पूरा सिख समाज इसका विरोध कर रहा है, लेकिन अभी तक सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कभी 12 गुरुद्वारे थे, जिनमें से अब सिर्फ 2 बचे हैं।

गुरुद्वारे को गिराए जाने पर भारत में भी कड़ा विरोध हो रहा है। भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन आरपी सिंह ने कहा कि ये पाकिस्तान में सिखों की विरासत खत्म करने की कोशिश है। अकाल तख्त साहिब को पाकिस्तान सरकार के सामने मामला उठाना चाहिए और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। क्वेटा के आर्चर रोड स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा परिसर में बाद में सेंट गैब्रिएल स्कूल संचालित हो रहा था। सिख समुदाय के नेता सरदार जसबीर सिंह के मुताबिक, अब उसी गुरुद्वारे को ढहाकर यहां शॉपिंग प्लाजा का निर्माण कराया जा रहा है। मामला बलूचिस्तान हाई कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन कोर्ट ने फिलहाल निर्माण रोकने से इनकार कर दिया है।

निजी बिल्डर को जमीन बेची गई

सिख समुदाय के मुताबिक, यह जमीन श्री गुरु सिंह सभा से जुड़ी संपत्ति थी। आरोप है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने इसे एक निजी बिल्डर को बेच दिया। अब सवाल उठ रहा है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड को इस धार्मिक संपत्ति को बेचने का अधिकार किस आधार पर मिला और जमीन की बिक्री की प्रक्रिया क्या थी? इस पर पाकिस्तान सरकार या इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की ओर से आधिकारिक जवाब सामने आना बाकी है।

कैलाश यात्रा का लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर बना मौत का फंदा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के रसुवा जिले में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे कैलाश मानसरोवर के सैकड़ों तीर्थयात्री बाढ़ की चपेट में आ गए हैं या लापता हो गए हैं। ये तीर्थयात्री एक निजी, लेकिन अत्यधिक लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर का उपयोग कर रहे थे, जो अब जानलेवा साबित हुआ है। बाढ़ के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सैकड़ों लोगों का कोई पता नहीं है। इसमें बड़ी संख्या में वे पर्यटक और तीर्थयात्री शामिल हैं जो रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) सीमा पर कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने या वहां से लौटने के लिए औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते दो मुख्य निजी मार्ग हैं रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) और हिल्सा (हुमला/सिमिकोट)। इनमें से रसुवा मार्ग उसकी कम लागत के कारण तीर्थयात्रियों के बीच खासा लोकप्रिय है। रिपोर्टों के अनुसार, इस साल 13,500 से अधिक तीर्थयात्रियों ने इस मार्ग को चुना है, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी शामिल हैं। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय प्रतिवर्ष उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है। ये यात्राएं 20-22 दिनों तक चलती हैं और इनकी लागत लगभग 2 लाख रुपये आती है। लॉटरी प्रणाली से केवल लगभग 1,000 तीर्थयात्रियों का चयन होता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग वैकल्पिक मार्गों की तलाश करते हैं।

इसकारण कई भारतीय और विदेशी नागरिक नेपाल के निजी टूर ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा का कार्यक्रम बनाते हैं। नेपाली ऑपरेटर तिब्बत में प्रवेश के लिए ग्रुप वीजा प्राप्त करते हैं। रसुवा मार्ग काठमांडू से शुरू होकर 5-6 घंटे में रसुवागढ़ी बॉर्डर पहुंचाता है, जहां से तिब्बत में प्रवेश कर दारचेन (कैलाश यात्रा का बेस) जाया जाता है। यह जमीनी मार्ग लगभग 14-15 दिनों में यात्रा पूरी कराता है, और इसका खर्च आधिकारिक मार्ग से काफी कम होता है। यह विशेष रूप से विदेशों में रहने वाले भारतीयों, नेपाली नागरिकों और अन्य देशों के तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, रसुवागढ़ी चेकप्वाइंट से तिब्बत में दाखिल होने वाले धार्मिक सैलानियों की संख्या में 18.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि दूसरा निजी मार्ग, हिल्सा, मुख्य रूप से हवाई मार्ग है जिसमें हेलीकॉप्टर का उपयोग होता है। यह मार्ग महंगा (लगभग 3 लाख रुपये या उससे अधिक) होने के बावजूद 5 से 11 दिन में यात्रा पूरी कराता है। हालांकि, रसुवा मार्ग की लोकप्रियता ने इस आपदा का केंद्र बना दिया है।

अमेरिकी सेना का प्लानः पांच ठिकानों पर लगेंगे परमाणु माइक्रोरिएक्टर, खर्च होंगे 2.2 अरब डॉलर; क्या है मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को बताया कि वह न्यूयॉर्क से टेक्सस तक पांच सैन्य ठिकानों पर परमाणु माइक्रोरिएक्टर लगाने की योजना बना रही है। इनसे भरोसेमंद बिजली मिलेगी। इसके लिए सेना को व्यावसायिक बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन अमेरिका में परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। इसका मकसद नई परमाणु तकनीक को बढ़ावा देना है। खासकर डाटा केंद्रों की बढ़ती बिजली जरूरत पूरी करने पर जोर है। इसके तहत बड़े परमाणु रिएक्टरों के लिए अरबों डॉलर के कर्ज दिए जा रहे हैं। उन्नत रिएक्टर डिजाइन और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसमें सैन्य और आम नागरिक दोनों क्षेत्रों के लिए काम किया जा रहा है। अमेरिका

में अभी कोई भी परमाणु माइक्रोरिएक्टर व्यावसायिक बिजली ग्रिड को बिजली नहीं दे रहा है। सेना ने पांच कंपनियों को चुना है। इन्हें पांच साल में कुल 2.2 अरब डॉलर तक दिए जाएंगे। ये कंपनियां माइक्रोरिएक्टर की मालिक होंगी। इन्हें बनाएंगी और चलाएंगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें तय किए गए प्रदर्शन मानकों को पूरा करना होगा। सेना को उम्मीद है कि 20 से ज्यादा परमाणु माइक्रोरिएक्टर बनाए और चलाए जाएंगे। उद्योग और सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि माइक्रोरिएक्टर सैन्य ठिकानों के लिए मजबूत बिजली स्रोत दे सकते हैं। अगर मुख्य बिजली ग्रिड बंद हो जाए, तब भी इनसे जरूरी ढांचे को बिजली मिल सकती है। इन रिएक्टरों को कई साल तक दोबारा ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने कहा कि इन परियोजनाओं से सैन्य ठिकानों तक सुरक्षित और भरोसेमंद लगातार बिजली पहुंचाने की क्षमता तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सेना ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बना रही है, जिससे दुनियाभर में सैन्य ताकत इस्तेमाल करने के लिए जरूरी ऊर्जा मिल सके। इसके लिए कमजोर पड़ सकने वाले बाहरी बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ये अनुदान सेना के जेनस प्रोग्राम का हिस्सा हैं। यह कार्यक्रम पिछले साल अगली पीढ़ी की परमाणु ऊर्जा विकसित करने के लिए शुरू किया गया था। अधिकारी चाहते हैं कि परमाणु तकनीक का विकास तेजी से आगे बढ़े। उन्नत रिएक्टरों के डिजाइन केवल प्रयोग और शुरुआती मॉडल तक सीमित न रहें। वे कई वर्षों तक बिजली देने में सक्षम हों। सेना के प्रतिष्ठानों, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के प्रधान उप सहायक सचिव जेफ वैक्समैन ने इसे इस दिशा में सबसे आगे की नोक बताया। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि सेना इसी बदलाव को लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने साफ किया कि ये डिजाइन केवल अमेरिकी सेना के लिए नहीं बनाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि नए परमाणु रिएक्टर बहुत महंगे हैं।

बाढ़ ने मचाई भीषण तबाही, 150+ लोगों की मौत; 750 से ज्यादा अभी भी लापता, यूपी-बिहार में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में तिब्बत से अचानक आई भीषण बाढ़ ने कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। नेपाल पुलिस के अनुसार, बाढ़ में 157 लोगों की मौत हो गई है और 750 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 133 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। बाढ़ से कई महत्वपूर्ण पुल बह गए और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद को बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 8-37 बजे तिब्बत क्षेत्र में भूकंप आया था। इसके तीन मिनट बाद अचानक बाढ़ की सूचना मिली। इससे आशंका है कि भूकंप के झटकों से ग्लेशियर से अचानक पानी निकलने की घटना हुई, जिससे बाढ़ आई।

नेपाल में बाढ़ से यूपी-बिहार में अलर्ट : नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज और कुशीनगर समेत बिहार के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी है। बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी तक पहुंचने और वहां जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज होने के बाद बिहार और यूपी सरकार ने गंडक और नारायणी नदी से जुड़े जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है।

विदेश मंत्रालय लगातार नेपाल सरकार के संपर्क में है। बिहार के पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर समेत गंडक के तटवर्ती इलाकों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। लोगों से नदी से दूर रहने, निचले इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है। राज्य के बाढ़ निगरानी तंत्र के मुताबिक पूर्वी चंपारण के डुमरियाघाट में गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि रेवा घाट पर नदी चेतावनी स्तर पार कर चुकी है।

एनडीआरएफ की 20 टीमें की गईं तैनात : नेपाल से आने वाले अतिरिक्त पानी को देखते हुए अगले कुछ घंटों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जल संसाधन विभाग को तटबंधों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए कहा गया है। स्थिति का आकलन करने के बाद, पश्चिमी चंपारण और मुजफ्फरपुर में तैनाती के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें भेजी गई हैं। बिहार में कुल नौ टीमें तैनात हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। कुशीनगर जिले में एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त टीम तैनात की गई है, जिसके गंडक नदी के करीब होने के कारण प्रभावित होने की संभावना है। बाढ़ की चेतावनी और बचाव कार्यों के लिए यूपी में कुल 11 टीमें तैनात हैं।

नेपाल में कैसे बाढ़ ने मचाई तबाही : अधिकारियों के अनुसार, भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ से तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, चट्टान खिसकने और नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बहने वाली ल्हेंदे नदी में पानी बढ़ने के कारण रसुवा जिले के सीमावर्ती शहर टिमुरे में भोटे कोशी नदी के रास्ते बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी में पहुंचा। इसके बाद बाढ़ नदी के रास्ते नुवाकोट, चितवन, गोरखा, तनहूं और नवलपरासी पूर्व जैसे अन्य जिलों तक फैल गई। ये इलाके काठमांडू से करीब 70 किलोमीटर से लेकर लगभग 200 किलोमीटर तक की दूरी पर हैं। नेपाल सरकार ने बताया कि करीब 750 लोग लापता हैं। वहीं, चीन के सरकारी समाचार चैनल सीजीटीएन के अनुसार, सीमा के चीनी हिस्से में तीन लोगों की मौत हुई है।

नेपाल में तबाही के एक दिन बाद सामने आया बड़ा खतरा, 47 ग्लेशियल झीलें बन सकती हैं बाढ़ की वजह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 47 ग्लेशियल झीलों को संभावित रूप से खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार, इन झीलों के फटने से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (तरल्हस्र) यानी अचानक आने वाली विनाशकारी बाढ़ का खतरा है। ऐसी बाढ़ नेपाल की प्रमुख नदी घाटियों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा सकती है। यह आकलन इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार की ओर से किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों में सामने आया है।

21 झीलें नेपाल में, 25 तिब्बत में : आकलन में शामिल 47 संभावित खतरनाक ग्लेशियल झीलों में 21 नेपाल में और 25 तिब्बत में स्थित हैं। ये झीलें उन ऊंचे पर्वतीय इलाकों में हैं जहां से नेपाल की ओर बहने वाली नदियों का उद्गम होता है। यही वजह है कि अगर इनमें से कोई झील अचानक फटती है तो उसका पानी तेजी से नीचे की ओर बहते हुए नदी घाटियों में बसे गांवों और शहरों तक पहुंच सकता है। ग्लेशियल झीलों का खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इनमें से कई झीलें ग्लेशियरों के पीछे जमा पानी से बनी हैं और उनके किनारे कमजोर मिट्टी, बर्फ और चट्टानों से बने बांध जैसे प्राकृतिक अवरोधों से घिरे हैं। ऐसे अवरोध टूटने पर बहुत कम समय में बड़ी मात्रा में पानी नीचे आ सकता है।

कुछ झीलों पर तत्काल ध्यान की जरूरत : आपदा प्रबंधन अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने तेजी से फैल रही और प्राकृतिक मलबे से बने कमजोर बांधों के पीछे स्थित कुछ झीलों को विशेष रूप से संवेदनशील माना है। इनमें लोअर बरुण (तल्लोपोखरी), थुलागी (डोना), लुमडिंग त्शो, होंगू-2/चामलांग साउथ, त्शो रोल्पा और इम्जा त्शो प्रमुख हैं। इन झीलों के पानी का स्तर और आकार बढ़ने से इनके अचानक टूटने की आशंका बढ़ सकती है। इसलिए इन पर पानी का स्तर कम करने और खतरा घटाने के उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई गई है।

पूर्वी और मध्य नेपाल में ज्यादा खतरा : खतरा नेपाल के कई जिलों में फैला हुआ है। खास तौर पर कोशी और बागमती नदी बेसिन के इलाकों में स्थिति चिंताजनक है। इन क्षेत्रों में कुल क्षेत्रीय जोखिम का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संवेदनशील इलाकों में केंद्रित है। सोलुखुम्बु जिला दुध कोशी और इम्जा नदी घाटियों के कारण संवेदनशील है। यहां इम्जा झील से संभावित बाढ़ का खतरा है। संखुवासभा में बरुण और अरुण नदी घाटियों के आसपास के क्षेत्र खतरे में हैं। इसी तरह दोलखा में तामा कोशी नदी घाटी त्शो रोल्पा झील के संभावित प्रभाव क्षेत्र में आती है।

सिंधुपालचोक जिला भी काफी संवेदनशील है। यहां भोटे कोशी और सुन कोशी नदी घाटियों में तिब्बत की ओर स्थित ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ का असर पड़ सकता है। इसके अलावा रामेछाप, काभ्रेपलांचोक और रसुवा के नदी किनारे बसे इलाकों पर भी खतरा है। खासकर त्रिशूली नदी बेसिन के आसपास के क्षेत्रों को संवेदनशील माना गया है।

पश्चिमी नेपाल में भी कई इलाके हो सकते हैं प्रभावित : नेपाल के पश्चिमी और सुदूर-पश्चिमी हिस्सों में गंडकी और कर्णाली नदी बेसिन के कई इलाके ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। मनांग और लमजुंग जिले थुलागी झील के नीचे स्थित मार्स्यांगदी नदी घाटी में हैं। इसलिए यहां अचानक आने वाली बाढ़ का सीधा असर पड़ सकता है। गोरखा में बूढ़ी गंडकी नदी घाटी, जबकि मुस्तांग और म्याग्दी में काली गंडकी नदी घाटी संवेदनशील है। दूर-दराज के हुम्ला जिले में भी खतरा है। खासकर लिमी घाटी और हुम्ला कर्णाली नदी गलियारे में रहने वाली आबादी और बुनियादी ढांचे पर संभावित तरल्हस्र का असर पड़ सकता है।

सिर्फ बाढ़ नहीं, बिजली परियोजनाओं के लिए भी खतरा : ग्लेशियल झीलों के फटने से सिर्फ नदी किनारे रहने वाली आबादी प्रभावित नहीं होगी। तेज बहाव के साथ आने वाला पानी, बर्फ, चट्टान और मलबा रास्ते में आने वाली सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा सकता है। पश्चिमी नेपाल की कई नदी घाटियों में जलविद्युत परियोजनाएं भी स्थित हैं। ऐसे में बड़ी तरल्हस्र घटना से बिजली उत्पादन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन झीलों की लगातार निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और जरूरत पड़ने पर झीलों का जलस्तर कम करने जैसे उपायों से संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षों में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

अब 60 वर्ष की आयु से महिलाओं को रोडवेज बसों में मिलेगा मुफ्त सफर

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत देहरादून में 10 पिंक ई-बसें महिलाओं को समर्पित होंगी, महिला स्वरोजगार योजना में रियायती बैंक ऋण की सीमा 2 लाख से बढ़ाकर 2.50 लाख करने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में महिलाओं की सुविधा, सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त हाईटेक टॉयलेट विकसित किए जाने की घोषणा की है। इन टॉयलेट्स में स्वच्छता के साथ-साथ महिलाओं की निजता, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति की गरिमा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। प्रदेश के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, पर्यटन स्थलों और अन्य आवश्यक स्थानों पर आधुनिक एवं सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराकर महिलाओं के लिए अधिक सुविधाजनक और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए घोषणा की कि प्रदेश में वर्तमान में 65 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को रोडवेज बसों में उपलब्ध मुफ्त सफर की सुविधा को महिलाओं के लिए 60 वर्ष की आयु से लागू किया जाएगा। इससे प्रदेश की अधिकाधिक बुजुर्ग महिलाओं को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अंतर्गत उत्तराखंड को मिलने वाली 137 इलेक्ट्रिक बसों में से देहरादून में संचालित होने वाली 100 बसों में 10 बसें महिलाओं के लिए पिंक ई-बस के रूप में समर्पित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस सुविधा को चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के अन्य क्षेत्रों तक भी विस्तारित किया जाएगा, ताकि अधिक

से अधिक महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सके। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री ने महिला स्वरोजगार योजना के तहत रियायती बैंक ऋण की सीमा 2 लाख से बढ़ाकर 2.50 लाख करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने

चकरपुर में मुख्यमंत्री ने बहनों से बंधवाई राखी

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर चकरपुर स्टेडियम में आयोजित रक्षाबंधन समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित बहनों ने मुख्यमंत्री को भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षासूत्र बांधा। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों का अभिवादन करते हुए उन्हें रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। बहनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन उनके लिए अत्यंत शुभ और भावनात्मक है। उन्होंने कहा कि बहनों का प्रेम और स्नेह उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। यही प्रेम उन्हें अधिक मेहनत और ऊर्जा के साथ प्रदेश की जनता की सेवा करने की शक्ति देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का पर्व भी है। जब हम एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारियों का संकल्प लेते हैं और सुख-दुःख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं, तो रिश्ते और मजबूत होते हैं। भारतीय संस्कृति में बहन के स्नेह और भाई के संकल्प का यह रिश्ता सदियों से परिवार, समाज और संस्कारों को मजबूत करने की प्रेरणा देता आया है।

वाली बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर दर्जा मंत्री मोहिनी पोखरिया, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, शोभा राणा, कुलविंदर कौर, हरिकेश चंद, पूनम, ममता चुफाल, मंडल अध्यक्ष माया जोशी, भागीरथी खोलिया, अंजना अडो, पूर्व ग्राम प्रधान शोभा राणा, रेखा राणा, गीता, लक्ष्मी, चंद्रकला रौतेला, विमला, सरोज कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री गंभीर सिंह धामी, रणदीप पोखरिया, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित सैकड़ों बहनें उपस्थित रहीं।

स्कूलों के रसोई की रोजाना होगी जांच

रुद्रप्रयाग। पीएम पोषण योजना के तहत स्कूली बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की सुरक्षा, स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं पीएम पोषण के नोडल अधिकारी अजय कुमार चौधरी ने जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, उप शिक्षा अधिकारियों और विद्यालय प्रमुखों को किचन कम स्टोर की प्रतिदिन निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से कई बार घटनाएं हो जाती हैं। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है।

निर्देशों के अनुसार विद्यालय स्तरीय प्रभारी, प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापक किचन कम स्टोर की रोजाना देखरेख करेंगे। भोजन माताओं को भी स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बरसात को देखते हुए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षित भंडारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने खंड स्तरीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान पीएम पोषण के मानकों के साथ स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी जांच अनिवार्य रूप से करने को कहा। डीईओ ने कहा कि बच्चों को दिए जाने वाले पके भोजन की स्वच्छता, गुणवत्ता और नियमितता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

परमार्थ में ऋषि कुमारों का हुआ उपनयन संस्कार

ऋषिकेश। श्रावणी पूर्णिमा पर परमार्थ निकेतन में रक्षाबंधन को आध्यात्मिक चेतना, सनातन संस्कारों और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया। परमार्थ निकेतन में इस पावन अवसर पर ऋषिकुमारों का उपनयन संस्कार विधिवत सम्पन्न हुआ। वैदिक परंपरा के अनुसार उपनयन संस्कार जीवन में ज्ञान, अनुशासन, साधना, सेवा और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने का दिव्य संस्कार है। ऋषिकुमारों ने आचार्यों के सान्निध्य में वेदमंत्रों के उच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की और अपनी जीवन-यात्रा को ज्ञान एवं संस्कारों से प्रकाशित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा की आयोजन एक धार्मिक अनुष्ठान के साथ भारत की प्राचीन ऋषि-परंपरा, ज्ञान-संस्कृति और संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का माध्यम बना।

बिड़ला परिसर के छात्रसंघ चुनाव के लिए 11 सितंबर को होगा मतदान

बराबर मत मिलने पर लॉटरी से होगा विजेता घोषित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर, श्रीनगर में छात्रसंघ चुनाव 2026-27 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. एम.सी. सती ने छात्रसंघ चुनाव की अधिसूचना कार्यक्रम जारी कर दिया है। छात्रसंघ चुनाव के लिए 11 सितंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

यदि चुनाव परिणाम में किसी पद के लिए दो या दो से अधिक प्रत्याशियों को समान मत प्राप्त होते हैं, तो ऐसी स्थिति में लॉटरी (ड्रा) प्रक्रिया के माध्यम से विजेता घोषित किया जाएगा। इस चुनाव कार्यक्रम के जारी होने के साथ ही बिड़ला परिसर में छात्रसंघ चुनाव को लेकर राजनीतिक एवं छात्र गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

जारी अधिसूचना के अनुसार, छात्रसंघ में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष तथा छः कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव कराया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय छात्रसंघ प्रतिनिधि (यूआर) का भी निर्वाचन होगा। नामांकन पत्र 2 सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक व 3 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 5 सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। इसी दिन शाम 5 बजे प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की जाएगी। नामांकन वापसी की प्रक्रिया भी 5 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। छात्रसंघ चुनाव के लिए 11 सितंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 12 सितंबर को सुबह 10 बजे एसीएल हॉल में आयोजित किया जाएगा।

प्रत्याशी के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य

चुनाव में प्रत्येक प्रत्याशी को अधिकतम 5,000 तक चुनावी खर्च करने की अनुमति होगी। इससे अधिक खर्च करने पर प्रत्याशी का निर्वाचन निरस्त किया जा सकता है। प्रत्येक प्रत्याशी को चुनाव परिणाम घोषित होने के दो सप्ताह के भीतर अपने चुनावी खर्च का प्रमाणित लेखा-जोखा मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। प्रत्याशी के लिए अपनी कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति भी अनिवार्य रखी गई है। चुनाव प्रक्रिया में लिंगदोह समिति की संस्तुतियों एवं विश्वविद्यालय स्तर पर छात्र हित में जारी संशोधनों और निर्देशों का पालन किया जाएगा। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि मतदान के दिन परिसर में किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री लेकर प्रवेश नहीं किया जा सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर प्रत्याशी के विरुद्ध कार्रवाई के साथ उसका नामांकन/निर्वाचन अवैध घोषित किया जा सकता है।

मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में प्रत्याशियों के लिए कई नियम निर्धारित किए गए हैं। नामांकन पत्र चुनाव कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे और निर्धारित समय के भीतर चुनाव समिति के पास जमा कराने होंगे। अधिसूचना के अनुसार छात्रसंघ चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी, प्रस्तावक और अनुमोदक का बिड़ला परिसर का नियमित/संस्थागत छात्र-छात्रा होना आवश्यक है। प्रत्येक प्रत्याशी के लिए 100 रूपये नामांकन शुल्क निर्धारित किया गया है। चुनाव लड़ने के लिए स्नातक स्तर के प्रत्याशी की आयु 1 जुलाई 2026 को 17 से 22 वर्ष तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रत्याशी की आयु 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित अवधि के आधार पर आयु सीमा में एक वर्ष की छूट का प्रावधान किया गया है। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि महाविद्यालय/विश्वविद्यालय द्वारा दंडित छात्र-छात्रा छात्रसंघ के किसी पद का चुनाव नहीं लड़ सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

शिवलिंग का विशेष श्रृंगार कर अर्पित की गई नई फसल

केदारनाथ/फाटा। केदारनाथ धाम में भतूज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। भतूज पर्व पर बीकेटीसी एवं ऊखीमठ व रुद्रपुर के पंचगाई पंचपंडा हकहकूकधारियों ने भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग का विशेष श्रृंगार किया। इस अवसर पर नई फसल के पके हुए चावल और विभिन्न प्रकार के स्थानीय अनाज को पकाकर शिवलिंग को समर्पित किया गया। भोग को पंचगाई हकहकूकधारी ने पकाया और इससे शिवलिंग को ढका गया। रात 12 बजे से सुबह चार बजे तक तीर्थयात्रियों को भगवान के दर्शन किए।भतूज पर्व के दौरान मध्य रात्रि में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान हुआ। केदारनाथ धाम से प्रशासनिक अधिकारी किशन त्रिवेदी ने बताया कि मान्यता है कि अन्नकूट पर्व पर नये अनाज के भोग को भगवान केदारनाथ को समर्पित करने से अन्न से सभी विषाक्त तत्व समाप्त हो जाते है। भतूज के समापन के बाद रक्षाबंधन पर श्रद्धालुओं को दाल-चावल का प्रसाद वितरित किया गया।

प्रसाद चढ़ाने वालों में पंचपंडा रूद्रपुर से अरविंद शुक्ला, अशोक शुक्ला, नितिन शुक्ला, हेमचंद्र शुक्ला पंचगाई हकहकूकधारी ऊखीमठ से अध्यक्ष राकेश तिवारी, कमल चंद्र त्रिवेदी,आशीष त्रिवेदी, धनीश तिवारी आदि शामिल रहे। इस अवसर पर धर्माधिकारी औंकार शुक्ला, पुजारी टी गंगाधर लिंग, वेदपाठी यशोधर मैठाणी, सहायक लेखाकार प्रमोद बगवाड़ी आदि मौजूद रहे।

पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर लिया प्रकृति संरक्षण का संकल्प

ऋषिकेश। रक्षाबंधन के अवसर पर ग्राम सभा खदरी खड़क माफ स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान की आयुष वाटिका में पर्यावरण प्रेमी विनोद प्रसाद जुगलान के नेतृत्व में स्थानीय महिलाओं और बच्चों ने पेड़ पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

इस दौरान नीम, आंवला, अशोक, रुद्राक्ष, बिल्व पत्र और हरसिंगार जैसे औषधीय पौधों को राखी बांधी गई। जुगलान ने कहा कि जल और जंगल बचेंगे तभी जीवन सुरक्षित रहेगा। हमारी प्रकृति अमूल्य धरोहर है, जिसके संरक्षण के लिए युवाओं और मातृशक्ति को आगे आना होगा। इस दौरान मीनाक्षी कुकरेती, पूजा डंगवाल, मीनाक्षी जुयाल, ऊषा, अद्विका, आदित्री, अखिल, अमृतम, अमन, आकाश सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

नेपाल त्रासदी में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए किया हवन

डोईवाला। आर्य समाज मंदिर डोईवाला में शुक्रवार को रक्षाबंधन एवं श्रावणी उपाकर्म पर्व श्रद्धा और वैदिक विधि विधान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां देकर विश्व कल्याण और लोक मंगल की कामना की। यज्ञ के दौरान नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

ऋषिकेश-हरिद्वार समेत नदी किनारे रहने वाले लोगों को किया अलर्ट

टिहरी, टिहरी झील में अधिकतम पानी भरने की क्षमता आर एल 830 मीटर तक है। अभी झील का जलस्तर आएल 819.29 पर है। सुरक्षा को देखते हुए झील से पानी छोड़ा जा रहा है। बता दें कि टिहरी झील में अधिकतम पानी भरने की क्षमता आर एल 830 मीटर तक है। अभी झील का जलस्तर आएल 819.29 पर है। झील अपनी क्षमता से लगभग 11 मीटर पानी अभी कम है। इसलिए एहतियातन टिहरी झील से 561 क्यू मैक्स पानी छोड़ा जा रहा है। अधिकतम 750 क्यू मैक्स पानी छोड़ा जा सकता है।

किनसुर में चार सितंबर को लगेगा किसान मेला

ऋषिकेश। चार सितंबर पौड़ी जिले के द्वारीखाल विकासखंड के न्याय पंचायत किनसुर के राजकीय इंटर कॉलेज में किसान विकास मेला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त मेले में क्षेत्रीय जनता को विभागीय योजना के बारे में जानकारी दी जाएगी। स्वरोजगार कृषि विकास, महिला सशक्तीकरण और अन्य विकासपरक कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सहकारिता विभाग, युवा कल्याण विभाग और उद्यान विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल होंगे। यह जानकारी ग्राम पंचायत कांडी के ग्राम प्रधान मातवर सिंह नेगी ने दी।

भैरू कु तमाशा की राह में शेड-तार बने रोड़ा

उत्तरकाशी। वरुणाघाटी के ऊमरीकोट गांव में सदियों पुराने समेश्वर देवता के पौराणिक मेले भैरू कु तमाशा से पहले समस्या खड़ी हो गई है। मंदिर तक पहुंचने वाले हजारों भेड़-बकरियों के पारंपरिक रास्ते में बीएसएनएल टावर के पास लगाए गए शेड और मोटे तार बाधा बन गए हैं। तेज रफ्तार से पहाड़ी ढलान से नीचे आने वाले पशुओं के लिए यह स्थिति बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

छह व सात सितंबर को होने वाले मेले में हजारों श्रद्धालुओं के साथ बड़ी संख्या में भेड़-बकरियां भी शामिल होंगी। पारंपरिक आयोजन के तहत सैकड़ों भेड़-बकरियां मंदिर के ऊपर पहाड़ी ढलान से दौड़ते हुए मंदिर तक पहुंचते हैं लेकिन इसी मार्ग पर बीएसएनएल टावर के समीप बनाया गया सोलर पैनल के शेड और तारों ने रास्ता बाधित कर दिया है।ग्राम प्रधान ऊमरीकोट सुमन चौहान ने कहा कि यह केवल रास्ता बाधित होने का मामला नहीं बल्कि मेले की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। मेले से पहले अवरोध नहीं हटाया गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। वरुणाघाटी विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष बिशन सिंह राणा ने कहा कि समिति पहले भी विभागीय अधिकारियों से अवरोध हटाने का अनुरोध कर चुकी है लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। समिति की ओर से उप मंडलीय अभियंता, दूरसंचार विभाग को ज्ञापन सौंपकर छह सितंबर से पहले मौके का निरीक्षण कर बीएसएनएल टावर के आसपास से सभी अवरोध हटाने की मांग की गई है।

श्रावणी उपाकर्म में संस्कृत संरक्षण का दिया संदेश

षिकेश। श्री वेद महाविद्यालय में श्रावणी उपाकर्म पर्व वैदिक परंपरा के साथ मनाया गया। संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के आचार्यों और छात्रों ने प्रभात फेरी निकाली। प्रभातफेरी के माध्यम से संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। महाविद्यालय परिसर में श्रावणी उपाकर्म संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक रविंद्र किशोर शास्त्री ने की। छात्रों ने आचार्यों के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रावणी उपाकर्म की विभिन्न धार्मिक क्रियाएं परंपरानुसार संपन्न की। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए श्रावणी उपाकर्म का महत्व बताया। आचार्य सुनील दत्त बिजल्वाण ने कहा कि संस्कृत भारतीय ज्ञान परंपरा की आधारभूत भाषाओं में से एक है।

भुवनेश्वरी माता मंदिर से चांदी का छत्र चोरी

यमकेश्वर। फल्दाकोट ग्राम पंचायत में स्थित प्रसिद्ध भुवनेश्वरी माता मंदिर गैणा डांड से चांदी का छत्र चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। चोरी का पता तब चला जब सुबह के समय ग्रामीण मंदिर में पूजा के लिए आए। दरवाजा खोलते ही देखने पर पता चला कि चांदी का छत्र गायब है।

सैनिकों की कलाई पर महिला मोर्चा ने बांधा रक्षा सूत्र

रायवाला। भाजपा रायवाला मंडल महिला मोर्चा की ओर से शुक्रवार को आर्मी कैंट रायवाला में सैनिकों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सैनिकों की कलाई पर राखी बंधकर उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा में सैनिकों का योगदान अतुलनीय है। सैनिक अपने परिवार से दूर रहकर राष्ट्र की रक्षा में निरंतर तत्पर रहते हैं। इस दौरान सैनिकों और महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय संवाद भी हुआ। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

बाघ के हमले में घायल श्रमिक को वन विभाग ने दी राहत राशि

यमकेश्वर। राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र से सटे धमांद गांव में बाघ के हमले में घायल हुए श्रमिक को वन विभाग ने राहत राशि प्रदान की है। वन विभाग की ओर से मानव-वन्यजीव संघर्ष राहत नियमावली के तहत घायल श्रमिक को 30 हजार रुपये का अग्रिम मुआवजा दिया गया। वहीं, घायल श्रमिक को शुक्रवार शाम तक एम्स अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

श्रमिक राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र की सड़क पर पैदल जा रहा था। इसी दौरान अचानक बाघ ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई शुरू करते हुए घायल श्रमिक को राहत राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की। गोहरी रेंज के क्षेत्राधिकारी राजेश जोशी ने बताया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष राहत नियमावली के तहत घायल व्यक्ति को मुआवजे की कुल राशि का 30

प्रतिशत अग्रिम भुगतान किया जाता है। इसी के तहत श्रमिक को 30 हजार रुपये का चेक सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि घायल श्रमिक को नियमानुसार कुल एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। अग्रिम राशि का भुगतान तत्काल राहत के तौर पर किया गया है, जबकि शेष राशि निर्धारित प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराई जाएगी।

उत्तराखंड चुनाव को लेकर कांग्रेस का फोकस बढ़ा, प्रियंका मैदान में उतरेंगी

हल्द्वानी। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पिछले दिनों राहुल गांधी का कुमाऊं दौरा निरस्त होने के बाद अब पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के लिए प्रियंका गांधी की जनसभा कराने की तैयारी कर रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक बरसात के बाद प्रियंका गांधी कुमाऊं में अल्मोड़ा या पिथौरागढ़ में बड़ी रैली कर सकती हैं। वहीं गढ़वाल में श्रीनगर में उनका दौरा प्रस्तावित किए जाने की चर्चा है।

प्रियंका के संभावित दौरे को कांग्रेस की प्रदेशव्यापी चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी का फोकस कुमाऊं और गढ़वाल दोनों मंडलों में संगठन को सक्रिय करने और

कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार करने पर है। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद उठे विवाद को पार्टी ने संसद में भी उठाया था। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश में भाजपा के खिलाफ लगातार आक्रमक रुख अपनाए हुए है। अब केंद्रीय नेताओं के संभावित दौरों के साथ पार्टी स्थानीय संगठन को भी चुनावी मोड में लाने में जुटी है।

दो माह बाद फिर सक्रिय हुए हरीश रावत

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत भी करीब दो माह बाद पार्टी की गतिविधियों में फिर सक्रिय नजर आ रहे हैं। लंबे समय से प्रदेश में पार्टी की बैठकों से दूरी के बाद दिल्ली में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में उनकी मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	168-DRM-MB-26-27 Date- 28.08.2026
कार्य का नाम	Raising of Existing PF's to High Level PF's and civil work in connection with FOB with ramps at Milak & Tilhar stations.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक / समय	21.09.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	11,07,43,087.33
धरोहर राशि	22,14,900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	07.09.2026
आफर की वैधता	90 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 Months

सं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 28.08.2026 2989/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

ऑस्ट्रेलिया ए के इंडिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम की घोषणा की जिसमें अनुष्का शर्मा तीन मैच की टी20 श्रृंखला में भारत ए की कप्तानी करेंगी जबकि यस्तिका भाटिया एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीम की अगुवाई करेंगी। सयाली सतघरे टी20 में उपकप्तान होंगी जबकि अनुष्का एकदिवसीय और बहुदिवसीय प्रारूप में उपकप्तान होंगी। दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय तथा चार दिवसीय एक मैच शामिल है। टी20 मैच न्यू चंडीगढ़, एकदिवसीय मुकाबले मोहाली के पीसीए स्टेडियम और चार दिवसीय मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। टी20 मुकाबले 12, 15 और 17 सितंबर को न्यू चंडीगढ़ में होंगे। एकदिवसीय मैच 20, 23 और 25 सितंबर को मोहाली में खेले जाएंगे जबकि चार दिवसीय मुकाबला 29 सितंबर से दो अक्टूबर तक धर्मशाला में होगा।

टी20 के लिए भारत ए टीम – अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय भारत ए टीम – यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

भारत ए की बहुदिवसीय टीम – यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

महिला एशिया कप शुरु, भारतीय महिला टीम का पहला मैच 30 अगस्त को

दुबई (एजेंसी)। 17 दिन चलने वाले महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत आज से दुबई में हो रही है। इसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी हिस्सा ले रही है। 13 सितंबर को इसका फाइनल होगा। यूएई की मेजबानी में 28 अगस्त से महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत हो गई। यह टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। अभी तक भारत ने 7 बार खिताब अपने नाम किया है तो श्रीलंका और बांग्लादेश की टीम 1-1 बार चैंपियन बनी है। 2004 में महिला एशिया कप की शुरुआत हुई थी। 2008 तक इसे वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। 2012 से टी20 फॉर्मेट में इसका आयोजन किया जा रहा है। श्रीलंका टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है।

महिला एशिया कप 2026 में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, थाईलैंड, हांगकांग और इंडोनेशिया शामिल है। इन टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में हांगकांग, भारत, पाकिस्तान और थाईलैंड है। वहीं ग्रुप बी में बांग्लादेश के साथ श्रीलंका, यूएई, इंडोनेशिया और श्रीलंका को जगह मिली है। थाईलैंड और हांगकांग के बीच टूर्नामेंट का पहला मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा। थाईलैंड के खिलाफ भारतीय टीम 30 अगस्त को अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

महिला एशिया कप में कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, 7 बार बन चुकी है चैंपियन

महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत 28 अगस्त से हो गई है। इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं टीम इंडिया का टी20 एशिया कप में रिकॉर्ड कैसा रहा है। एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी। पहले चार संस्करण वनडे फॉर्मेट में हुए थे। 2012 से यह टी20 फॉर्मेट में आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय टीम का एशिया कप में रिकॉर्ड काफी शानदार है। कुल मिलाकर भारत ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 21 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि महज 4 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम टी20 एशिया कप के खिताब को तीन बार अपने नाम कर चुकी है। साल 2012, 2016 और 2022 में टीम इंडिया ने ट्रॉफी को अपने नाम किया था। वहीं 2018 और 2024 में फाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। वहीं वनडे फॉर्मेट में चारों बार भारत विजेता रहा था। कुल मिलाकर भारत के पास एशिया कप की 7 ट्रॉफी है। बांग्लादेश और श्रीलंका की टीम 1-1 बार चैंपियन बनी है।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम से इस बार भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर के कंधों पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी होगी।

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के बूते किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। गेंदबाजी में क्रांति गौड़ और रेणुका ठाकुर तेज गेंदबाजी की कमान संभालती हुई नजर आ सकती हैं। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी श्री चरणी और राधा यादव पर होगी। चरणी ने इस साल खेले 15 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कुल 27 विकेट चटकाए हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी।

पाकिस्तान से मुकाबले पर हरमनप्रीत ने कहा, किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम महिला टी20 एशिया कप में किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी को निशाने पर रखकर नहीं चल रही है और इसके बजाय वह अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, मौजूदा चैंपियन श्रीलंका, बांग्लादेश, मेजबान यूएई, थाईलैंड, हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया की टीम भाग ले रही हैं। वनडे विश्व चैंपियन भारत महिला टी20 एशिया कप में प्रबल दावेदारों में से एक है, लेकिन हरमनप्रीत ने पांच सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर बने माहौल को खास तवज्जो नहीं दी। हरमनप्रीत ने शुक्रवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सभी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमारा ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने पर है। हम किसी भी टीम को हल्के से नहीं ले रहे हैं। हमारा ध्यान केवल अच्छी क्रिकेट खेलने पर है। हम खेल से इतर की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्रज्ञानानंदा की उपलब्धि, ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चेस स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 20 साल के ग्रैंडमास्टर ने अमेरिका में खेले गए ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। फाइनल मुकाबले में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को 15-13 के स्कोर से हराया। इस जीत के बाद उन्हें प्राइज मनी के रूप में 2 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 1.9 करोड़ रुपये मिले।

ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स का चैंपियन बनना आर प्रज्ञानानंदा के लिए आसान नहीं था। उन्हें फाइनल के पहले क्लासिकल मुकाबले में हार झेलनी पड़ी तो वहीं दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद वह 6 पॉइंट से पीछे चल रहे थे। इसके बाद भी भारतीय भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की और दोनों रैपिड मुकाबले जीत लिए। इससे उन्होंने फैबियानो कारुआना पर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद ब्लिट्ज स्टेज में भी उन्होंने शानदार खेल दिखाया। अंतिम मुकाबले में उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी और उन्होंने संयम बनाए रखते हुए मैच ड्रॉ कर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराकर रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2026 महिला हॉकी वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। गुरुवार को एमस्टेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने दूसरे हाफ में बेहतरीन वापसी करते हुए लगातार तीन गोल दागे। इस जीत के साथ भारत ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन 1974 के पहले महिला हॉकी वर्ल्ड कप में रहा था, जब टीम चौथे स्थान पर रही थी। भारत ने टूर्नामेंट में सिर्फ एक मुकाबला गंवाया। जर्मनी के खिलाफ पांचवें स्थान के मुकाबले में टीम ने पहले हाफ में दबाव का सामना किया, लेकिन दूसरे हाफ में खेल का रुख पूरी तरह बदल दिया। मैच के शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने काउंटर-अटैक के जरिए मौके बनाने की कोशिश की, जबकि जर्मनी ने धीरे-धीरे गेंद पर अपना नियंत्रण बढ़ाया और भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाया। जर्मनी को क्वार्टर के अंत में पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर बिचू देवी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। इसके बाद मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर का भी जर्मनी फायदा नहीं उठा सका। दूसरे क्वार्टर में भी जर्मनी ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी। 18वें मिनट में सुशीला चानू के पैर पर गेंद लगने के बाद जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन खराब इंजेक्शन के कारण यह मौका भी हाथ से निकल गया। इसके बाद भारत ने कुछ अच्छे हमले किए। नवनीत कौर और कप्तान सलीमा टेटे ने जर्मन गोलकीपर फिंजा स्टार्क की परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने लगातार शानदार बचाव करते हुए भारत को बढ़त लेने से रोके रखा।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन (एजेंसी)। भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है।

गंभीर ने भारतीय टीम की मानसिक मजबूती की सराहना की, दिनुशा के जुझारूपन के हुए कायल

1139 मिनट तक चट्टान बने रहे सोनल दिनुशा तोड़े कई रिकॉर्ड

कोलंबो (एजेंसी)। भारत की जीत में सबसे बड़ी दीवार बने दिनुशा श्रीलंका के 25 साल के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी ऐतिहासिक बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया। सीरीज में खेले गए 722 गेंदों और 1139 मिनट के दौरान दिनुशा ने 420 रन बनाए और तीन शतक जड़े। कोलंबो के स्सष्ट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत की जीत के इरादों पर पानी फेरते हुए दिनुशा ने श्रीलंका के लिए मैच को ड्रॉ कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।मुश्किल परिस्थितियों में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे सोनल दिनुशा ने टेलेंडर्स के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों को तरसा दिया। पहली पारी में संकट में फंसी टीम के लिए शतक बनाने के बाद, फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी उन्होंने नाबाद शतक जड़ा। वे टेस्ट क्रिकेट इतिहास में फॉलोऑन मिलने के बाद एक ही मैच की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए यह कारनामा करने वाले वे केवल पांचवें बल्लेबाज हैं।दिनुशा की इस डिफेंसिव और स्मार्ट बल्लेबाजी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल को भी हैरान कर दिया। मैच के बाद गिल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने बेहद ठोस डिफेंसिव खेल दिखाया और बेहतरीन स्वीप शॉट्स खेले। इस मैच में मुझे नहीं लगता कि उन्होंने फील्डरों को आधा मौका भी दिया।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के फाइनल में खेलेंगे, श्रीलंका के पथिरागे से मिलेगी कड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिता की सीरीज के केवल दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बावजूद पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चोपड़ा ने 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लुसाने में हुई डायमंड लीग में क्रमशः दूसरा स्थान हासिल करके 12 अंक जुटाए। इसके साथ वह अंक तालिका में छठे स्थान पर रहे और ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे जिसमें विजेता सीधा चैंपियन बनता है।

बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में सीरीज के 14वें और आखिरी चरण के समाप्त होने के बाद अंक तालिका अपडेट की गई। इस साल हुई 14 डायमंड लीग प्रतियोगिता में से पांच में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, लेकिन नीरज चोपड़ा ने इनमें से केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। 28 वर्षीय चोपड़ा चोट से उबरने के बाद वापसी की राह पर हैं, उन्हें पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट परेशान कर रही थी। इस चोट के कारण उनकी वापसी में देरी हुई और उन्होंने दोहा डायमंड लीग में वापसी की।

हाल में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह शत प्रतिशत फिट नहीं थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इसके बाद उन्होंने लुसाने डायमंड लीग में अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया। कूद और थ्रो स्पर्धाओं में अंक तालिका के शीर्ष छह खिलाड़ी चार-पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा प्रत्येक स्पर्धा में एक अतिरिक्त एथलीट को राष्ट्रीय या वैश्विक वाइल्डकार्ड चयन के माध्यम से भाग लेने का मौका मिल सकता है।

डायमंड लीग फाइनल ब्रसेल्स में दो दिन तक आयोजित होगा जिसमें चार सितंबर को 16 स्पर्धाएं होंगी जबकि बाकी 16 स्पर्धाएं अगले दिन आयोजित की जाएंगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी। विजेता को ट्रॉफी के साथ कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं आठवें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 1,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। अगर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को डायमंड प्लस स्पर्धाओं में चुना जाता है तो विजेता को 60,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश पथिरागे 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं। ऐसे में उन्हें ब्रसेल्स में डायमंड लीग की ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उन्होंने डायमंड लीग की पांचों भाला फेंक स्पर्धाओं में हिस्सा लिया जिनमें से चार में वह विजेता रहे जबकि एक में दूसरे स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन सत्र में उनके शानदार दबदबे को दर्शाता है।

पथिरागे ने बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में 92.07 मीटर का शानदार थ्रो करके 10 खिलाड़ियों के मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया। यह इस सत्र में उनका दूसरा 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो था। इससे पहले उन्होंने रोम में 92.62 मीटर का थ्रो किया था। इस सत्र में अब तक 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो करने वाले दूसरे खिलाड़ी जर्मनी के जूलियन वेबर हैं। उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में बर्मिंघम में यूरोपीय चैंपियनशिप में 90.40 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन चोट के कारण वह किसी भी डायमंड लीग मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सके और अब फाइनल में भी नहीं खेलेंगे।

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में उन्होंने 86.93 मीटर का थ्रो किया और पथिरागे के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पथिरागे और पीटर्स दोनों ही ज्यूरिख प्रतियोगिता से पहले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्ण वॉलकॉट भी डायमंड लीग फाइनल में खेलेंगे। वह 23 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उनके बाद अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 20 अंक के साथ चौथे और कीनिया के जूलियस येगो 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा पहली बार होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने की राह पर हैं। यह प्रतियोगिता 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 8 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। नीरज चोपड़ा इस समय सातवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सचिन यादव आठवें स्थान पर हैं। हालांकि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची छह सितंबर को जारी की जाएगी।

एशियाई खेलः जापान में सुविधाओं से संतुष्ट नहीं बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों की शुरुआत होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है। बीसीसीआई जापान में क्रिकेट सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि बोर्ड इन खेलों के लिए भारत की 'बी' टीम भेजने पर भी विचार कर रहा है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) जापान में सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि इसी कारण बीसीसीआई एशियाई खेलों के लिए भारत की 'बी' भेजने पर विचार कर रहा है। एशियाई खेलों की शुरुआत जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से होगी। पुरुषों का क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से तीन अक्तूबर तक, जबकि महिलाओं का टूर्नामेंट 17 सितंबर से 22 सितंबर के बीच आयोजित किया जाना है।

पर्यवेक्षक भेजेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बोर्ड और एसीसी जापान में क्रिकेटरों के लिए की गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं से खुश नहीं हैं और बोर्ड वहां एक पर्यवेक्षक भेजने पर विचार कर रहा है। यदि सुविधाएं उम्मीद के मुताबिक नहीं पाई जाती हैं, तो बीसीसीआई प्रतियोगिता के लिए 'बी' टीम भेजने पर विचार कर सकता है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई और एसीसी जापान की सुविधाओं और व्यवस्थाओं से खुश नहीं हैं और बोर्ड वहां एक पर्यवेक्षक भेजेगा। वह अपनी रिपोर्ट हमें सौंपेंगे और यदि व्यवस्थाएं ठीक नहीं हुईं, तो हम वहां बी टीम भेजने पर विचार कर सकते हैं। हमने एसीसी की एक बैठक के दौरान जापान ओलंपिक अधिकारियों से कहा था कि ड्रेसिंग रूम टेंट में बनाए गए हैं और उन टेंटों से शौचालय 500 मीटर की दूरी पर हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए असंतोषजनक स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, होटल के कमरे वाकई बहुत छोटे हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है।

'बी' टीम भेजने पर हो रहा विचार; टीम में होगा बदलाव?

भारत ने मजबूत टीम का किया था एलान

चीन के हांगझोउ में 2023 में हुए पिछले संस्करण में टीम इंडिया ने स्वर्ण पदक हासिल किया था, जहां फाइनल बारिश की वजह से धुलने के बाद बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर, बाएं हाथ के बल्लेबाजों की तिकड़ी अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा तथा स्टार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह सहित एक मजबूत लाइन-अप का एलान किया था। भारतीय महिला टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में है और इसमें कई ऐसे बड़े नाम शामिल हैं जो सीनियर स्तर पर नियमित रूप से खेलते हैं।

एशिया के खेलों के लिए भारतीय पुरुष टी20 टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी और जसप्रीत बुमराह।